वर्ष : 34 | अंक : 342 | मुंबई, बुधवार, 18 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भारत और फ्रांस के बीच कुल 21 समझौतों पर हस्ताक्षर

ये हैं 21 बड़े समझौते और फैसले

भारत और फ्रांस ने द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करने के लिए कुल 21 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें दोनों देशों के संबंधों को 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' स्तर तक अपग्रेड करना, वार्षिक विदेश मंत्रियों के संवाद के माध्यम से Horizon 2047 रोडमैप की समीक्षा, भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष और इनोवेशन नेटवर्क की शुरुआत, रक्षा सहयोग समझौते का नवीनीकरण, H125 हेलीकॉप्टर फाइनल असेंबली लाइन का उद्घाटन, BEL और Safran के बीच HAMMER मिसाइल उत्पादन के लिए संयुक्त उद्यम, Indian Army और French Land Forces में अधिकारियों की परस्पर तैनाती, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ग्रुप का गठन, खनिज-धातुओं में सहयोग, वैज्ञानिक और तकनीकी केंद्रों की स्थापना, हेल्थ AI और मेटाबोलिक हेल्थ विज्ञान के लिए इंडो-फ्रेंच केंद्र, एरोनॉटिक्स स्किलिंग केंद्र, नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग और पोस्टल सेवा सहयोग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में MoU और आशय पत्र शामिल हैं।

भारत-फ्रांस की 'जबरा' दोस्ती

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत और फ्रांस की दोस्ती एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच हुई ऐतिहासिक मुलाकात ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। इस हाई-प्रोफाइल मीटिंग में कुल 21 बड़े समझौतों और फैसलों पर मुहर लगी है, जो डिफेंस से लेकर स्पेस और क्लीन एनर्जी तक फैले हुए हैं। दोनों देशों ने अपनी पार्टनरशिप को अब 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप' का नाम दिया है। यह सिर्फ एक समझौता नहीं है, बल्कि अगले कई दशकों के लिए विकास का एक नया ब्लूप्रिंट है। इस मीटिंग का सबसे बड़ा मैसेज यह है कि भारत अब ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में फ्रांस जैसे शक्तिशाली देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहा है।

माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों तक उड़ान भरने वाला हेलीकॉप्टर बनाएंगे : मैक्रों

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को एयरबस और टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) के हेलीकॉप्टर कारखाने का शुभारंभ किया। कर्नाटक के वेमागल स्थित इस कारखाने में माउंट एवरेस्ट तक उड़ने वाले एकमात्र हेलीकॉप्टर एच-125 का अगले साल के शुरू में निर्माण शुरू हो जाएगा। ऊंचे इलाकों में ऑपरेशन के लिए सैन्य और असैन्य दोनों प्रकार के उपयोग के लिए यह हेलीकॉप्टर महत्वपूर्ण साबित होगा। 10 नागरिक हेलीकॉप्टर प्रतिवर्ष बनेंगे शुरुआत में 20 सालों में कुल 500 हेलीकॉप्टरों के निर्माण का लक्ष्य छह यात्री हो सकेंगे सवार एच-125 एकल इंजन वाला हल्का हेलीकॉप्टर है। इसमें पायलट के अलावा छह यात्री सवार हो सकते हैं।

संयुक्त बयान में क्या?

संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है कि भारत और फ्रांस, दोनों, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुध्रुवीय में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देश एकमत है कि वैश्विक संस्थाओं में सुधारों से ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान निकलेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश यूक्रेन, पश्चिमी एशिया और हिन्द प्रशांतर क्षेत्र में शांति के सभी प्रयासों का समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के हर रूप और स्वरूप को जड़ से मिटाना दोनों देशों की साझी प्रतिबद्धता है। बता दें कि मैक्रों मंगलवार सुबह-सुबह अपने तीन दिन के भारत दौरे पर मुंबई पहुंचे थे। इस दौरान वे इंडिया इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल होने के साथ-साथ PM मोदी के साथ ज़रूरी बातचीत भी करेंगे। मैक्रों 18 और 19 फरवरी को नई दिल्ली में हो रहे AI इम्पैक्ट समिट 2026 में भी शामिल होंगे।

अजित पवार प्लेन क्रैश

सामने आएगा हादसे का सच!

- अजित पवार के प्लेन क्रैश की जांच अब हवाई जहाज हादसा जांच ब्यूरो को सौंप दी गई
- कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर की पड़ताल खातिर विदेशी जानकारों की भी मदद ली जा रही
- उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने की सीबीआई जांच की मांग, साजिश की जताई आशंका

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री रहे अजित पवार के प्लेन क्रैश हादसे में एक अपडेट सामने आया हैं। अब इस हादसे की जांच विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को सौंपी गई है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि 28 जनवरी को महाराष्ट्र के बारामती में क्रैश हुए विमान लीयरजेट-45 की विस्तृत जांच एएआईबी द्वारा की जा रही है। यह जांच विमान दुर्घटना और घटना जांच नियम, 2017 के तहत हो रही है। इसके साथ ही जांच प्रक्रिया को आईसीएओ (अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन) के परिशिष्ट-13 के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि जांच निष्पक्ष और तकनीकी नियमों के अनुरूप पूरी की जा सके।

रिकॉर्डर आग में झुलसे, फिर भी डेटा रिकवर

डीजीसीए ने बताया, विमान में दो फ्लाइट रिकॉर्डर लगे थे। जो हादसे के बाद लंबे समय तक आग और अत्यधिक गर्मी के संपर्क में रहे। इसके बावजूद जांच एजेंसियों ने डिजिटल फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (डीएफडीआर) से डेटा सफलतापूर्वक डाउनलोड कर लिया है। इस डेटा से उड़ान के दौरान विमान की तकनीकी स्थिति और ऑपरेशनल इनपुट्स से जुड़ी अहम जानकारी मिलने की उम्मीद है। मंत्रालय ने आगे बताया कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर सीवीआर की तकनीकी जांच अभी जारी है। रिकॉर्डर से डेटा निकालने और उसकी रिकवरी के लिए उस देश के विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है, जहां यह उपकरण तैयार किया गया था। माना जा रहा है कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर से कॉकपिट के अंदर की बातचीत समेत अलर्ट्स जैसी अहम जानकारी मिल सकती है, जो हादसे की वजह समझने में मदद करेगी।

विदेशी एक्सपर्ट्स की एंट्री

एएआईबी ने स्पष्ट किया है कि विमान हादसे की जांच पूरी तरह तकनीकी मानकों और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार की जा रही है, ताकि निष्पक्ष और सबूत आधारित निष्कर्ष निकाला जा सके। ब्यूरो ने लोगों से अपील की है कि जांच पूरी होने तक किसी भी तरह की अटकलों और अफवाहों से बचें। एजेंसी का कहना है कि जांच से जुड़ी पूरी जानकारी समय पर साझा की जाएगी। इस बीच इस हादसे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी सामने आई है। दो फरवरी को एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक और अजित पवार के भतीजे रोहित पवार ने दावा किया था, उनके चाचा अजित पवार की मौत के पीछे साजिश हो सकती है। उन्होंने मांग की थी,मामले की जांच विशेषज्ञ एजेंसियों से कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। कई विपक्षी दलों ने भी इसे सुनियोजित साजिश बताते हुए इस हादसे की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी।

मुख्यमंत्री से मिलकर सीबीआई जांच की मांग

महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री एवं राकांपा नेता सुनेत्रा पवार ने राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं अपने पति अजित पवार की विमान दुर्घटना की सीबीआई जांच की मांग की है। इससे पहले राकांपा (शरदचंद्र पवार) के विधायक एवं अजित पवार के भतीजे रोहित पवार इस विमान दुर्घटना में किसी साजिश की आशंका जता चुके हैं। मंगलवार को हुई राकांपा की एक बैठक के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की नेता और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलकर अपने पति और राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की हाल ही में हुई विमान दुर्घटना की सीबीआई जांच की मांग की है।

घर की जुगत पर सरकार की पंचायत

- आदिवासी पुनर्वास और म्हाडा पुनर्निर्माण चर्चा

देवेंद्रनाथ जैसवार | मुंबई

प्रवीण दरेकर की पहल पर गृहनिर्माण राज्यमंत्री पंकज भोयर के मंत्रालय कक्ष में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य वन भूमि पर बसे निवासियों के पुनर्वास और मुंबई की 388 म्हाडा इमारतों के पुनर्विकास से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा करना था।

आदिवासी बस्तियों का पुनर्वास

दरेकर ने कहा कि संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में वर्षों से निवास कर रहे आदिवासी पाड़ों को अतिक्रमण नहीं माना जा सकता। उन्होंने बताया कि इन बस्तियों में बिजली, पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं आज तक नहीं पहुंच पाई हैं। उनका सुझाव था कि आदिवासी परिवारों का पुनर्वास उसी क्षेत्र की सरकारी भूमि पर किया जाए।

"निजी वन" के रूप में आरक्षित जमीन

केतकीपाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में लगभग 80 हजार लोगों की आबादी निवास करती है। बस्तियों के बसने के बाद इन जमीनों को "निजी वन" के रूप में आरक्षित कर दिया गया, जिससे पुनर्विकास बाधित हो गया। दरेकर ने इस भूमि को संरक्षित वन क्षेत्र की श्रेणी से बाहर करने की मांग रखी। बैठक में मुंबई की 388 पुनर्निर्मित म्हाडा इमारतों के पुनर्विकास पर भी चर्चा हुई। दरेकर ने कहा कि डीसीपीआर 2034 की धारा 33(24) लागू होने के बावजूद कम भू-क्षेत्र और अधिक निवासियों के कारण परियोजना व्यवहार्य नहीं बन पा रही है।

ब्रीफ न्यूज़

राहुल के मनाने के बाद भी नहीं माने भूपेन बोरा, भाजपा में होंगे शामिल

गुवाहाटी। असम के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के इस्तीफे को लेकर नया ट्विस्ट नजर आ रहा है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि 22 फरवरी को भाजपा ज्वॉइन करेंगे। उन्होंने यह भी कहाकि उनके साथ बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेता भी भाजपा में आएंगे। बता दें कि सोमवार को भूपेन बोरा ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि बाद में शीर्ष नेतृत्व के मनाने पर उन्होंने अपने फैसले पर फिर से विचार करने की बात कहते हुए इस्तीफा वापस ले लिया था। बताया जाता है कि राहुल गांधी ने भी उन्हें मनाया था। लेकिन मंगलवार को उनके भाजपा जॉइन करने की बातें होने लगीं।

बॉन्डिंग पर 441 करोड़ खर्च करेगा पर्यटन विभाग

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने पर्यटन विभाग के साल 2025-26 के लिए बॉन्डिंग और विपणन पर खर्च के लिए संशोधित प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत अब विभाग 441 करोड़ 77 लाख रुपए तक का खर्च कर सकेगा, जो पहले स्वीकृत 331 करोड़ 77 लाख रुपए से अधिक है। यह बढ़ोतरी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से की गई है। पर्यटन विभाग ने शासनादेश जारी करते हुए बताया कि इस राशि का उपयोग राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों का प्रचार-प्रसार और विपणन करने के लिए किया जाएगा। इसके माध्यम से महाराष्ट्र को देशी और विदेशी पर्यटकों के लिए और अधिक आकर्षक बनाया जाएगा।

प्रशासनिक सर्जरी के लिए नया बोर्ड

अब सिविल सर्विसेस बोर्ड के माध्यम से होगा आईएएस अधिकारियों का तबादला

एजेंसी | नई दिल्ली

महाराष्ट्र सरकार ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आईएएस अधिकारियों की पोस्टिंग और तबादले प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाने के लिए एक स्वतंत्र सिविल सर्विसेस बोर्ड का गठन करने का निर्णय लिया है। इस बोर्ड के माध्यम से अधिकारियों की नियुक्ति और ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। शासनादेश जारी कर इस नई व्यवस्था को लागू करने का आधिकारिक संकेत दिया गया है।

राज्य के मुख्य सचिव होंगे बोर्ड के अध्यक्ष

इस बोर्ड के अध्यक्ष राज्य के मुख्य सचिव होंगे। बोर्ड में वरिष्ठ अतिरिक्त मुख्य सचिव/राजस्व मंडल के अध्यक्ष/वित्त आयुक्त या समकक्ष अधिकारी सदस्य होंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव/प्राचार्य/सचिव (कार्मिक), सामान्य प्रशासन विभाग सदस्य सचिव के रूप में कार्य करेंगे। मंत्रालय के किसी प्रशासनिक विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव पद पर कार्यरत सबसे वरिष्ठ अधिकारी को भी सदस्य बनाया जाएगा।

मनमाने फैसलों पर नियंत्रण संभव

केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग, नई दिल्ली की 28 जनवरी 2014 की अधिसूचना और इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (कैडर) अमेंडमेंट रूल 2014 के तहत यह नई व्यवस्था लागू की जा रही है। बोर्ड का मुख्य कार्य आईएएस अधिकारियों के नियुक्ति और तबादलों पर सिफारिश करना होगा। सरकार का कहना है कि इससे ट्रांसफर प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, नियमबद्ध और स्थिर बनेगी।

विशेषाधिकार समिति के सामने पेश हुए कामरा-अंधारे

उपमुख्यमंत्री शिंदे के खिलाफ टिप्पणी से संबंधित है मामला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा मंगलवार को महाराष्ट्र विधान परिषद की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश हुए। यह सुनवाई उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ उनकी कथित अपमानजनक टिप्पणियों से संबंधित थी। हालांकि, मुख्य शिकायतकर्ता भाजपा नेता प्रवीण दारेकर की अनुपस्थिति के कारण सुनवाई को 10 मार्च तक स्थगित कर दिया गया। इस दौरान शिवसेना (उद्धव) नेता सुषमा अंधारे भी समिति के समक्ष उपस्थित रहीं।

बयान दर्ज करने में देरी

समिति के अध्यक्ष प्रसाद लाड ने बताया कि कामरा और अंधारे ने बयान देने के लिए अपनी तत्परता जताई, लेकिन शिकायतकर्ता की अनुपस्थिति में बयान दर्ज करना उचित नहीं माना गया। दोनों पक्षों के बयान अब एक ही दिन दर्ज किए जाएंगे। कामरा ने अपनी प्रस्तुति के दौरान गाए गए पैरोडी गीत का जिक्र किया, जबकि अंधारे ने पिछले साल स्टूडियो में हुई तोड़फोड़ की घटना का हवाला दिया।

सड़क-पुल होंगे चकाचक

- लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोसले ने दिए सड़कों के तत्काल मरम्मत के निर्देश
- पर्यटन और धार्मिक स्थलों से जुड़ी सड़कों को प्राथमिकता

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र में हुई अतिवृष्टि के कारण कई सड़कों और पुलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इस स्थिति को देखते हुए लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंहराजे भोसले ने सभी प्रभावित मार्गों की तत्काल मरम्मत के आदेश दिए हैं। विशेष रूप से नाशिक कुंभ मेले को ध्यान में रखते हुए पर्यटन और धार्मिक स्थलों से जुड़ी सड़कों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बजट सत्र समीक्षा बैठक में निर्णय

मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित लोक निर्माण विभाग की बजट सत्र कार्य समीक्षा बैठक में मंत्री भोसले ने यह निर्देश जारी किए। बैठक में अपर मुख्य सचिव मिलिंद म्हैसकर, सड़क विभाग के सचिव संजय दशपुते और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री ने कहा कि नई सड़कों के निर्माण में यातायात की बढ़ती जरूरतों के अनुसार आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाए और गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।

पहाड़ी और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में विशेष ध्यान

मंत्री भोसले ने विशेष रूप से पहाड़ी और अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण और मरम्मत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए ताकि उनकी आयु बढ़ाई जा सके। शहरों और जिलों को जोड़ने वाली मुख्य सड़कों का विकास इसी मानक के अनुसार किया जाएगा।

कुंभ मेले के लिए तैयारियों को दें प्राथमिकता

आगामी नाशिक कुंभ मेले के मद्देनजर श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, एक्सप्रेसवे और मुख्य मार्गों से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। साथ ही महिलाओं के लिए स्वच्छ शौचालय और प्रसाधन केंद्रों की स्थापना जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

हाइब्रिड एन्युटी मॉडल और राजमार्ग परियोजनाएं

लोक निर्माण विभाग के हाइब्रिड एन्युटी मॉडल चरण-3 के तहत 10,000 किलोमीटर लंबी सड़कों की सुधार परियोजना के लिए विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। नाशिक परिक्रमा मार्ग, पुणे-शिरूर मार्ग, हडपसर-यवत मार्ग और तलेगांव-चाकण-शिक्रापुर मार्ग सहित विभिन्न राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा भी की गई। राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को जोड़ने के लिए केंद्र सरकार की पर्वतमाला योजना के अंतर्गत प्रस्तावित रोपवे परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

पता चला है — अब मुंबई सहित पूरे राज्य में बढ़ेगा तापमान

दुपहरिया में तमतमाएगा सूरज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

फरवरी के मध्य में मुंबई शहर और पूरे महाराष्ट्र में गर्मी ने दस्तक दे दी है। सुबह हल्की ठंडक और दोपहर में तेज धूप के कारण मौसम में दोहरी स्थिति देखी जा रही है। अगले 24 घंटों में बारिश की कोई संभावना नहीं है और अधिकतम तापमान में वृद्धि के कारण गर्मी और अधिक महसूस होगी। यह जानकारी भारत मौसम विज्ञान विभाग ने साझा की है।

पश्चिम महाराष्ट्र में तेज धूप

पश्चिम महाराष्ट्र में सुबह हल्की ठंडक रहेगी और न्यूनतम तापमान 18–20 डिग्री के बीच रहेगा। दोपहर बाद अधिकतम तापमान 36–37 डिग्री तक पहुंच सकता है। दिनभर तेज धूप रहने के कारण बाहर निकलने वालों को सावधानी बरतने की जरूरत होगी।

तटीय क्षेत्रों में उमस भरा मौसम

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई सहित कोंकण तटीय क्षेत्र में आज गर्म और उमस भरा मौसम रहेगा। मुंबई में अधिकतम तापमान 35–36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23–24 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। अधिक आर्द्रता के कारण दोपहर में उमस अधिक महसूस होगी। रायगड और सिंधुदुर्ग जिलों में भी इसी तरह की स्थिति बनेगी।

मराठवाड़ा और विदर्भ में तापमान चरम पर

मराठवाड़ा में अधिकतम तापमान 37–38 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 17–19 डिग्री के बीच रहेगा। विदर्भ के कई हिस्सों में गर्मी का असर अधिक रहेगा और पारा 38–39 डिग्री तक पहुंच सकता है। दोपहर में लू जैसी गर्म हवा से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

भाई का बेटा ही निकला कातिल

डीबीडी संवाददाता | वसई

महाराष्ट्र के वसई इलाके में सोमवार की मध्यरात्रि एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई, जब 60 वर्षीय दुर्गा संजय बनसोडे को उनके ही घर में मृत पाया गया। मां के फोन कॉल न उठाने पर चिंतित बेटा रात करीब 12 बजे उनके घर पहुँचा और हॉल में खून के धब्बे देखकर सदमें में आ गया। उसने तुरंत माणिकपुर पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि हत्या बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। हत्यारों ने शव को गद्दे के नीचे छिपाया और बेडरूम का दरवाजा बाहर से पेचकश से बंद किया ताकि कोई आसानी से अंदर न जा सके। पुलिस को घर के भीतर कुछ पारिवारिक विवाद और मनमुटाव के संकेत मिले हैं, जिसे हत्या के मुख्य कारण के रूप में देखा जा रहा है।

बेड के अंदर छिपाई थी बुआ की लाश

फोरेंसिक जांच और नाबालिग आरोपियों की संलिप्तता

मौके पर फोरेंसिक टीम ने भी नमूने इकट्ठा किए ताकि आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाए जा सकें। नाबालिग आरोपियों की संलिप्तता ने सामाजिक विशेषज्ञों और स्थानीय प्रशासन के बीच चिंता बढ़ा दी है। पुलिस मामले की तह तक पहुँचने और न्याय सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत लगा रही है।

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद गंगाविहीर और वसई इलाके में खलबली मच गई। स्थानीय नगरसेविका प्रमिला पाटिल ने घटनास्थल का दौरा किया और पुलिस प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

दो नाबालिग हिरासत में

घटना की गंभीरता को देखते हुए माणिकपुर पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस का सहारा लिया और दो घंटे के भीतर ही दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। इनमें मुख्य आरोपी मृतका के भाई का 15 वर्षीय बेटा है, जिसके साथ उसका 16 वर्षीय दोस्त भी शामिल है। कुल तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हरिलाल जाधव ने बताया कि आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है ताकि हत्या के वास्तविक कारण और किसी संभावित लूटपाट की जानकारी मिल सके।

पारिवारिक रंजिश और संपत्ति विवाद

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या किसी संपत्ति विवाद या पुरानी दुश्मनी के कारण मृतका के भतीजे ने यह हत्या की। इसके अलावा यह भी देखा जा रहा है कि क्या घर से कीमती सामान या गहने चोरी किए गए हैं।

मीरा भायंदर नागरिक संस्था का चुनाव सम्पन्न

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

अध्यक्ष पद पर मनोज खेमका की पुनः नियुक्ति

भाईंदर (पूर्व) जैसल पार्क निवासी एवं पेशे से सीए मनोज खेमका को लगातार दूसरी बार निर्विरोध मीरा भायंदर नागरिक संस्था का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनकी नेतृत्व क्षमता और सामाजिक कार्यों को देखते हुए सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया।

संस्था के ट्रस्टी ओम कावड़िया ने बताया कि संस्था पिछले 37 वर्षों से सामाजिक और जनहित के कार्यों में सक्रिय है। अध्यक्ष मनोज खेमका सभी समाज के लोगों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। उनके पिछले तीन वर्षों के कार्यकाल में संस्था द्वारा कई सराहनीय जनसेवी कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और आगे भी यह कार्य निरंतर जारी रहेगा।

कवि सम्मेलन व सम्मान कार्यक्रम की परंपरा

ट्रस्टी गजेंद्र भंडारी ने जानकारी दी कि संस्था बीते 35 वर्षों से कवि सम्मेलन एवं विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है। हर वर्ष देश के प्रसिद्ध हास्य कवि को स्वर्गीय डॉ. श्याम ज्वालामुखी के नाम से 51 हजार रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक नगरसेवक अधिवक्ता रवि व्यास, ओमप्रकाश महर्षि, मनोज पचलंगिया, मनमोहन सर्राफ सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

'डॉग सेंटर' पर भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप, कार्रवाई की मांग

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी के डॉग सेंटर (कुत्ता नसबंदी केंद्र) में कथित भ्रष्टाचार, लापरवाही और अनियमितताओं को लेकर पुलिस प्रशासन को लिखित शिकायत दी गई है। जिला प्रमुख शिवसेना (भिवंडी) और नगर पशुवैद्यकीय समिति के सदस्य ने पुलिस उपायुक्त (परिमंडल-2) को सौंपे पत्र में केंद्र की तत्काल जांच, बंद करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप है कि महानगरपालिका द्वारा संचालित केंद्र में कुत्तों की देखभाल सही तरीके से नहीं हो रही, भोजन-पानी की व्यवस्था अपर्याप्त है और नसबंदी ऑपरेशन निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किए जा रहे।

पत्र में कहा गया है कि ऑपरेशन के बाद जरूरी देखरेख और

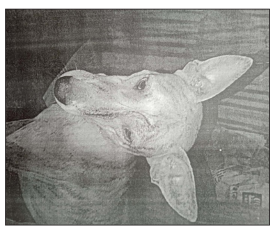

एलएसएस (LSS) जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रहीं, जिससे कई कुत्ते मानसिक रूप से अस्वस्थ हो रहे हैं और कुछ की मौत भी हो चुकी है। नियमों के विपरीत पकड़े गए कुत्तों को मूल क्षेत्र में छोड़ने के बजाय अन्य असुरक्षित स्थानों पर छोड़े जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायत में 31 जनवरी 2026 को 13 वर्षीय हमीद सद्दाम खान की कथित तौर पर कुत्तों के हमले में हुई मौत का उल्लेख करते हुए इसे बेहद गंभीर घटना बताया गया है।

आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग

शिकायतकर्ताओं ने 10 जनवरी 2026 को कामतघर निवासी एक महिला के पालतू कुत्ते को केंद्र कर्मियों द्वारा ले जाने और वापस न करने का आरोप भी लगाया है। 3 फरवरी को महिला के केंद्र पहुंचने पर कुत्ता वहां नहीं मिला, जिससे उसकी मौत की आशंका जताई गई है। संबंधित ठेकेदार और नगर पालिका कर्मचारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं में आपराधिक मामला दर्ज करने, मृत बालक के परिवार को मुआवजा देने और निष्पक्ष जांच के बाद डॉग सेंटर को तत्काल बंद करने की मांग की गई है।

मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने जनरल असेंबली हॉल का किया रिव्यू

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे में 20 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाली मनपा महासभा की तैयारियों का निरीक्षण मेयर शर्मिला रोहित पिंपलोलकर ने किया। इस दौरान म्युनिसिपल सेक्रेटरी मनीष जोशी, सबअर्बन इंजीनियर सुधीर गायकवाड़ और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर महेश बोराडे भी मौजूद रहे। मेयर ने हॉल में बैठने की व्यवस्था, साउंड सिस्टम, साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कुल 131 चुने हुए नगरसेवकों और 10 अप्रूव्ड मेंबर्स के हिसाब से हॉल की बैठने की व्यवस्था का रिव्यू किया।

महासभा के संचालन और नियमों पर जोर

मेयर ने कहा कि महासभा नागरिकों के प्रतिनिधियों के लिए महत्वपूर्ण प्लेटफ़ॉर्म है और इसका संचालन आसानी से और अनुशासन में होना चाहिए। उन्होंने तकनीकी व्यवस्थाओं, साउंड सिस्टम और प्रशासनिक तैयारियों में किसी भी गलती से बचने पर बल दिया। नई व्यवस्था के अनुसार महासभा राष्ट्रगान 'वंदे मातरम' और राज्यगान से शुरू होगी और राष्ट्रगान के साथ ही समाप्त होगी, जिसे रिकॉर्ड किया जाएगा। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने कहा कि प्रशासन इस बात को सुनिश्चित करेगा कि महासभा सफल और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो।

पत्थर मारकर व्यक्ति की हत्या

डीबीडी संवाददाता | पनवेल

पनवेल शहर में गांधी हॉस्पिटल के सामने स्थित फ्लाईओवर के नीचे एक व्यक्ति की पत्थर मारकर हत्या कर दी गई। सोमवार आधी रात सामने आई इस वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विजय (पूरा नाम अज्ञात), उम्र करीब 37-38 वर्ष के रूप में हुई है, जो नाका मजदूर के तौर पर काम की तलाश में वहीं खड़ा रहता था। वह कैटरिंग से जुड़े छोटे-मोटे काम करता था और देशी शराब पीने का आदी बताया गया है।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस उपायुक्त प्रशांत मोहिते, सहायक पुलिस आयुक्त भाऊसाहेब ढोले और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नितीन ढाकरे समेत अपराध शाखा की टीम मौके पर पहुंची। अज्ञात हमलावर विजय के सिर पर पत्थर मारकर फरार हो गया। पुलिस हत्या के कारणों की जांच के साथ-साथ आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री ने जारी किया कस्टमाइज्ड माई स्टैम्प

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

'मुंबई क्लाइमेट वीक' के अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जियो कन्वेंशन सेंटर, बांद्रा में एक कस्टमाइज़्ड माई स्टैम्प जारी किया। यह स्टैम्प विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

प्रमुख उपस्थितियाँ

इस कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी मंत्री प्रहलाद जोशी, महाराष्ट्र सरकार की माननीय कैबिनेट पर्यावरण और क्लाइमेट चेंज मंत्री पंकजा मुंडे, महाराष्ट्र सर्कल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह, बीएमसी की मेयर रितु तावड़े, महाराष्ट्र सरकार के चीफ सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल, बीएमसी के म्युनिसिपल कमिश्नर भूषण गगरानी, एमएमआरडीए के मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी, महाराष्ट्र सरकार के पर्यावरण विभाग की सेक्रेटरी जयश्री भोज, प्रोजेक्ट मुंबई के सीईओ और फाउंडर शिशिर जोशी और मुंबई क्लाइमेट वीक के चीफ कन्वीनर सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी और विशेषज्ञ उपस्थित थे।

रबाले एमआईडीसी में आरक्षित वन भूमि पर अवैध उत्खनन

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

• दो जेसीबी जब्त, नगरसेवक पर मामला दर्ज

नवी मुंबई के रबाले एमआईडीसी क्षेत्र स्थित सर्वे नंबर 97, यादव नगर-इलवणपाडा इलाके में आरक्षित वन भूमि पर अवैध उत्खनन और सड़क कंक्रीटीकरण का गंभीर मामला सामने आया है। इस प्रकरण में महाराष्ट्र वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए दो जेसीबी मशीनें जब्त की हैं तथा रबाले एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मामले में नगरसेवक ममीत चौगुले के खिलाफ भी अपराध दर्ज होने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

वन विभाग की त्वरित कार्रवाई

वन परिमंडल अधिकारी संदीप मोरे के अनुसार, सर्वे नंबर 97 को सरकार द्वारा आरक्षित वन घोषित किया गया है, जहां किसी भी प्रकार के निर्माण या उत्खनन के लिए वैधानिक अनुमति अनिवार्य है। जेसीबी मशीनों से बड़े पैमाने पर मिट्टी निकाले जाने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि सड़क कंक्रीटीकरण के लिए खुदाई की जा रही थी। बिना अनुमति कार्य किए जाने पर विभाग ने तत्काल दो जेसीबी मशीनें जब्त कर लीं तथा मौके पर मौजूद चालकों और कर्मचारियों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई शुरू की।

100 बार में हो रही 'छमछम' पर पुलिस का छापा

10 बार बालाओं सहित 12 लोगों पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर में विवादों में घिरे 100 डेज लेडीज बार पर विठ्ठलवाडी पुलिस स्टेशन ने छापा मारकर देर रात तक चल रही गतिविधियों पर रोक लगाने की कार्रवाई की। पुलिस ने अर्धनग्न होकर ग्राहकों को आकर्षित करने के आरोप में 8 बार बालाओं सहित बार मालिक, मैनेजर

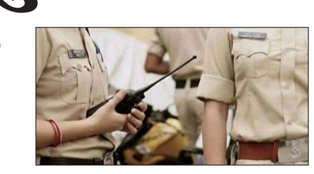

और वेटरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया। कैम्प-4 के पवई चौक परिसर स्थित इस बार पर प्रशासन द्वारा निर्धारित सीमा से अधिक महिलाओं को कार्यरत रखने और नियमों का उल्लंघन करने के आरोप पहले भी लग चुके थे। मनपा प्रशासन द्वारा पूर्व में भी कार्रवाई की जा चुकी थी, बावजूद इसके बार में कथित रूप से नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही थीं।

12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस सिपाही चंद्रकांत गायकवाड़ की शिकायत पर बार संचालक अब्दुल वाहीद नुर मोहम्मद शेख (43) निवासी अंबरनाथ, विजय पवन रविदास (25) निवासी उल्हासनगर सहित कुल 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मौके से 10 बार बालाओं और वेटरों को भी हिरासत में लिया गया। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार संगले द्वारा की जा रही है।

कार से युवक का शव बरामद

उल्हासनगर। गोल मैदान क्षेत्र, जो शहर का सबसे व्यस्त परिसर माना जाता है, में शुक्रवार को अचानक सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव अपनी कार की ड्राइविंग सीट पर अचेत अवस्था में पाया गया। घटना की सूचना मिलते ही उल्हासनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पुलिस ने कार के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर वाहन और शव की पहचान का प्रयास शुरू किया है। वाहन से एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ, लेकिन स्विच ऑफ होने के कारण अभी तत्काल पहचान नहीं हो सकी। प्रारंभिक जांच में मृतक की

मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है, हालांकि सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा। मौके पर पंचनामा तैयार कर शव को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और सभी संभावित पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि मृतक की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाया जा सके।

बच्चों को सुनाई जाएगी 'शिवशंभू गाथा'

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महाराष्ट्र के आराध्य छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज की जयंती के अवसर पर ठाणे जिला प्रशासन और राज्य सरकार के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय द्वारा बच्चों के लिए एक विशेष कार्यक्रम 'शिवशंभू गाथा' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों को स्वराज्य की प्रेरक कहानियों और ऐतिहासिक घटनाओं से परिचित कराया जाएगा। यह कार्यक्रम बुधवार, 18 फरवरी को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक राम गणेश गडकरी रंगायतन में आयोजित होगा। इस दौरान महाराष्ट्र के प्रसिद्ध कलाकार इतिहास को अपने कलात्मक प्रदर्शन के माध्यम से जीवंत करेंगे। कार्यक्रम में 'कलर्स मराठी गौरव महाराष्ट्र' के ग्रैंड विनर वैभव थोरात, 'सोनी टीवी मराठी इंडियन आइडल' के विजेता सागर म्हात्रे और रोहित पाटिल जैसे चर्चित गायक प्रस्तुति देंगे।

कलाकारों की भागीदारी

इसके अलावा गायिका मैथिली भगत, पूजा म्हात्रे और कथाकार कल्पेश दुकाले विद्यार्थियों को स्वराज्य की प्रेरणा से परिचित कराएंगे। कार्यक्रम में ऐतिहासिक गीतों, पोवाड़ा, कथा-वाचन और नृत्य प्रस्तुतियों का समावेश होगा, जिससे यह बच्चों के लिए ज्ञान और गौरव का उत्सव साबित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल ऐतिहासिक तथ्यों का प्रसार करना है बल्कि बच्चों में छत्रपति शिवाजी महाराज और संभाजी महाराज के साहस, नेतृत्व और स्वराज्य की भावना को जागृत करना भी है। संगीत और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुतियाँ विद्यार्थियों के लिए मनोरंजक और शैक्षिक दोनों रूपों में होंगी।

नियोजन भवन में भी विशेष कार्यक्रम

19 फरवरी को सुबह 11 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय के नियोजन भवन में भी शिव जयंती के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के मार्गदर्शन में और उपजिलाधिकारी डॉ. संदीप माने, रूपाली भालके, तहसीलदार सचिन चौधरी और संदीप थोरात की देखरेख में किया जाएगा।

इमारत की गिरी स्लैब, तीन घायल, 80 लोग निकाले गए

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे में मंगलवार सुबह वागले एस्टेट के शांतिनगर स्थित पांच मंजिला नूतन नीलम अपार्टमेंट में एक गंभीर हादसा हुआ। इमारत की पांचवीं मंजिल से एक स्लैब नीचे वाली मंजिल पर गिर गई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से एक की स्थिति गंभीर है। इस घटना के समय इमारत में लगभग 80 निवासी मौजूद थे, जिन्हें सुरक्षित निकाल लिया गया। पुलिस और आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुसार, घटना पांचवीं मंजिल के फ्लैट नंबर 501 में हुई। स्लैब अचानक टूटकर चौथी मंजिल पर मौजूद कमरे में गिर गई। घायलों की पहचान गजेंद्र प्रसाद (60) के रूप में हुई, जिनके दाहिने कंधे में फ्रैक्चर है; प्रिंस यादव (25), जिनके दाहिने पैर में चोटें आई हैं; और प्रदीप यादव (23), जिनके दोनों पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। तीनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

तीनों घायलों को पहले ठाणे के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल गजेंद्र प्रसाद को बेहतर इलाज के लिए मुंबई के एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

बिल्डिंग की गई सील

इमारत की सुरक्षा और सीलिंग

नूतन नीलम अपार्टमेंट को पहले C2B श्रेणी में रखा गया था, जिसका अर्थ है कि इसमें बड़े पैमाने पर मरम्मत की आवश्यकता है। 30-35 साल पुरानी यह इमारत फिलहाल जानलेवा स्थिति में नहीं थी, लेकिन स्लैब गिरने की घटना के बाद इसे पूरी तरह से सील कर दिया गया।

'जीरो डस्ट पॉलिसी' लागू करने की तैयारी

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए नवी मुंबई महानगरपालिका प्रशासन 'जीरो डस्ट पॉलिसी' लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। भाजपा गटनेते सागर नाईक ने जानकारी दी कि इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है। निर्माण स्थलों पर ग्रीन नेट लगाना, नियमित पानी का छिड़काव, सड़कों की यांत्रिक सफाई और निर्माण सामग्री ढककर ले जाना अनिवार्य किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रदूषण नियंत्रण के लिए अतिरिक्त वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग प्रणाली सक्रिय की जाएगी और नागरिकों में जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। सागर नाईक ने कहा कि शहर के समग्र विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। 'जीरो डस्ट पॉलिसी' के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदूषण पर नियंत्रण मिलेगा, नागरिकों को स्वच्छ हवा उपलब्ध होगी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी आएगी।

मंत्रालय रिश्वत कांड

मुझे किसी पर शक नहीं : मंत्री झिरवल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में सामने आए रिश्वत कांड को लेकर मंत्री नरहरी झिरवल ने किसी भी तरह की साजिश की आशंका को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनके विभाग में जो कुछ भी हुआ, वह बेहद गलत और शर्मनाक है, लेकिन इसमें उनकी कोई व्यक्तिगत भूमिका नहीं है। उन्होंने तुरंत जांच के आदेश दिए हैं और स्वतंत्र जांच कर गोपनीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने मंत्री झिरवल के कार्यालय के लिपिक राजेंद्र ढेरंगे को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। इस घटना के बाद विपक्ष ने मंत्री पर सवाल उठाए, लेकिन झिरवल ने साफ किया कि उन्हें किसी पर शक नहीं है और पार्टी में उनका कोई दुश्मन नहीं है, इसलिए उन्हें फंसाने का सवाल ही नहीं उठता।

मंत्री पद पर फैसला मुख्यमंत्री करेंगे

मंत्री नरहरी झिरवल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें इस मामले की पूर्व जानकारी नहीं थी। अपने मंत्री पद को लेकर उन्होंने कहा कि किसी को मंत्री बनाना या हटाना मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का अधिकार है। उन्होंने बताया कि अभी तक उनसे इस बारे में बातचीत नहीं हुई है, लेकिन जल्द मुलाकात होगी।

पार्टी में नाराजगी और कड़ी चेतावनी

मंगलवार को पार्टी की बैठक में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने इस मामले पर नाराजगी जताई और कहा कि ऐसे मामलों को किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद सांसद सुनील टटकरे, प्रफुल्ल पटेल, मंत्री हसन मुश्रीफ और पार्थ पवार ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की। बैठक के बाद सुनील टटकरे ने मीडिया से कहा कि मंत्री कार्यालय में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले की निष्पक्ष जांच कर पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी।

मंत्री की सफाई और भरोसा

मंत्री झिरवल ने जनता और मीडिया से अपील की कि इस मामले में उन्हें व्यक्तिगत तौर पर दोषी ठहराया न जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विभाग में हुई गड़बड़ी की पूरी तरह जांच की जाएगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने अनिल देशमुख की याचिका पर ईडी से जवाब मांगा

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व राज्य गृह मंत्री अनिल देशमुख की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से 5 मार्च तक जवाब दाखिल करने को कहा है। देशमुख ने अदालत से अनुरोध किया था कि विशेष पीएमएलए कोर्ट पहले उनके खिलाफ सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के केस पर विचार करे, जो मनी लॉन्ड्रिंग केस का 'प्रिडिकेट ऑफेंस' है। न्यायमूर्ति अश्विन भोबे की एकल पीठ ने याचिकाकर्ता और ईडी के वकीलों को सुना और नोटिस जारी करने की आवश्यकता नहीं समझी। याचिकाकर्ता के वकील इंदरपाल सिंह ने बताया कि 11 नवंबर 2025 को पीएमएलए कोर्ट ने देशमुख की याचिका खारिज कर दी थी, जिसमें आरोप तय करने को टाला गया था। उनका कहना था कि ईडी का मनी लॉन्ड्रिंग केस सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार केस पर आधारित है और इसलिए पहले सीबीआई केस पर विचार होना चाहिए। सीबीआई ने देशमुख के खिलाफ केस तब दर्ज किया था जब 5 अप्रैल 2021 को हाई कोर्ट ने मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के पत्र की जांच का आदेश दिया था।

जलवायु परिवर्तन पर नैतिक जिम्मेदारी जरूरी : मंत्री मुंडे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने मंगलवार को कहा कि जलवायु परिवर्तन केवल नीतिगत विषय नहीं, बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। 'मुंबई क्लायमेट वीक' के तहत आयोजित "स्केलिंग अप क्लायमेट फाइनेंस फॉर अ सस्टेनेबल एंड रेजिलिएंट महाराष्ट्र" चर्चा सत्र में उन्होंने बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा और जल संकट जैसी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया। मंत्री मुंडे ने यह भी सुझाव दिया कि पर्यावरण शिक्षा को विद्यालय स्तर पर नागरिक शास्त्र की तरह एक स्वतंत्र विषय के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

विकास और पर्यावरण में संतुलन

मंत्री मुंडे ने कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखना महाराष्ट्र जैसे प्रगतिशील राज्य के लिए अनिवार्य है। प्रकृति पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण पूरी मानवता को प्रभावित करता है, इसलिए जलवायु परिवर्तन केवल स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए उपलब्ध निधि का उपयोग प्रभावी और परिणामोन्मुखी होना चाहिए।

जलवायु-अनुकूल परियोजनाओं को बढ़ावा

कार्यक्रम में उपस्थित प्रवीण परदेशी ने घरेलू वित्तीय संसाधनों और वित्तीय तंत्रों के माध्यम से जलवायु-अनुकूल परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया। इसमें कृषि में विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन का प्रोत्साहन, अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और फसल पद्धति में बदलाव जैसे कदम शामिल हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि महाराष्ट्र राज्य जलवायु परिवर्तन कार्य योजना, नवीकरणीय ऊर्जा नीति और 'जस्ट ट्रांजिशन' रोडमैप के माध्यम से उप-राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु कार्रवाई में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

महाराष्ट्र बनेगा ग्लोबल धंधे का अगुआ

'ग्लोबल इकोनॉमिक कोऑपरेशन 2026' सम्मेलन का उद्घाटन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि बहुध्रुवीय विश्व में "विश्वसनीय वैश्वीकरण" के नए दौर में महाराष्ट्र का रणनीतिक महत्व और अधिक स्पष्ट हो रहा है। उन्होंने बताया कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 14–15 प्रतिशत तथा औद्योगिक उत्पादन में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देता है। पश्चिमी बंदरगाहों से होने वाले 60 प्रतिशत से अधिक कंटेनर यातायात का संचालन भी महाराष्ट्र से होता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मुंबई वैश्विक पूंजी का प्रवेशद्वार बनेगी।

आर्थिक संप्रभुता का नया अर्थ

मुख्यमंत्री ने सम्मेलन में कहा कि आर्थिक संप्रभुता का अर्थ केवल आत्मनिर्भरता नहीं, बल्कि विविधीकृत व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और तकनीकी क्षमता के संतुलित समन्वय से है। भविष्य की वैश्विक व्यवस्था कॉरिडोर-आधारित होगी और मुंबई पारदर्शिता, नियमन तथा समावेशिता में अग्रणी भूमिका निभाएगी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में एआई पार्क, डेटा सेंटर क्लस्टर और कौशल विश्वविद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही ग्रीन हाइड्रोजन, सौर और पवन ऊर्जा तथा सतत अवसंरचना में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है।

भारत की संरचनात्मक प्रगति

फडणवीस ने कहा कि सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, खाद्य सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्र अब राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जी-20 अध्यक्षता, आईएमईसी कॉरिडोर और डिजिटल अवसंरचना के विस्तार ने भारत को वैश्विक मंच पर सशक्त स्थान दिलाया है। प्रधान मंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि अनिश्चितता के इस दौर में भारत दुनिया के लिए आशा की किरण बनकर उभरा है।

'डी-रिस्किंग' और विविधीकरण पर जोर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि अस्थिर वैश्विक माहौल में डी-रिस्किंग और विविधीकरण अनिवार्य हैं। उन्होंने बताया कि पिछले दशक में अवसंरचना में बड़े निवेश से "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" में सुधार हुआ है। 5जी, चंद्रयान, वंदे भारत और यूपीआई जैसे नवाचारों ने 'न्यू इंडिया' की नई पहचान स्थापित की है। जयशंकर ने कहा कि युवा और कुशल मानव संसाधन भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं। यही भारत को एक विश्वसनीय वैश्विक साझेदार के रूप में उभरने में सक्षम बनाता है। उन्होंने जोर दिया कि निवेश, तकनीकी नवाचार और कुशल मानव संसाधन के संतुलन से ही भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

घाटकोपर सरकारी कॉलोनी में शिव जयंती 2026 पर किला कॉम्पिटिशन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

घाटकोपर (ईस्ट) की सरकारी कॉलोनी में 'शिव जयंती 2026' के अवसर पर युवा पीढ़ी में छत्रपति शिवाजी महाराज के विचार और ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति गर्व की भावना जगाने के लिए कई गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों का मुख्य आकर्षण किला बनाने का कॉम्पिटिशन था, जिसमें कॉलोनी के बच्चों और युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

200 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया

14 और 15 फरवरी को आयोजित इस कॉम्पिटिशन में 200 से अधिक प्रतियोगियों ने भाग लिया। माता-पिता के मार्गदर्शन में किलों का लेआउट, निर्माण और ऐतिहासिक प्रस्तुति अत्यंत प्रभावशाली था। किले का मूल्यांकन महाराज के किला टूर और मिट्टी के किले बनाने के विशेषज्ञ मिस्टर प्रवीण जाधव तथा मोदी स्क्रिप्ट विशेषज्ञ मिस्टर रूपेश पवार ने किया। प्रतियोगियों ने रायगढ़, राजगढ़, प्रतापगढ़, पन्हाला, शिवनेरी, पुरंदर, सिंहगढ़, लोहागढ़, सिंधुदुर्ग, विजयदुर्ग, मुरुड-जंजीरा, अजिंक्यतारा, विशालगढ़, तोरणा और सज्जनगढ़ जैसे ऐतिहासिक किलों के मॉडल बनाए।

मनपा समितियों के अध्यक्ष चुनाव के लिए बुधवार को नामांकन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका की चार महत्वपूर्ण समितियों—स्टैंडिंग कमिटी, शिक्षा समिति, सुधार समिति और बेस्ट समिति—के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए बुधवार, 18 फरवरी को नामांकन दाखिल किए जाएंगे। स्टैंडिंग कमिटी में कुल 26 सदस्य हैं। महायुति को बहुमत मिलने के कारण इस कमिटी का अध्यक्ष भाजपा का होना तय माना जा रहा है। इस पद के लिए प्रभाकर शिंदे, शीतल गंभीर और मकरंद नार्वेकर के नाम चर्चा में हैं। अन्य तीन समितियों में भी महायुति का संख्या बल अधिक है, इसलिए, इनके अध्यक्ष पद भी महायुति के कब्जे में जाने की संभावना अधिक है। सुधार समिति का अध्यक्ष शिंदे सेना का नगरसेवक बन सकता है।

चुनाव की तारीख

स्टैंडिंग कमिटी और सुधार समिति में भाजपा के 10, शिंदे सेना व राकां के 4-4, उद्धव सेना के 7, कांग्रेस के 3, और मनसे व एमआईएम के 1-1 सदस्य शामिल हैं। शिक्षा समिति में कुल 22 नगरसेवक और 4 मनोनीत सदस्य हैं, जिसमें भाजपा के 11, शिंदे सेना के 4, उद्धव सेना के 7, कांग्रेस के 2, एमआईएम का 1 और मनसे का 1 सदस्य शामिल है। शिक्षा समिति और स्टैंडिंग कमिटी का अध्यक्ष पद 20 फरवरी को चुना जाएगा, जबकि सुधार और बेस्ट समिति का चुनाव 23 फरवरी को होगा।

सपकाल ने विवादित बयान के लिए मांगी माफी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मंगलवार को अपने कथित विवादित बयान को लेकर माफी मांगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने कोई आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की थी, बल्कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। सपकाल ने कहा कि उनके शब्दों को गलत तरीके से प्रचारित किया गया, जिससे अनावश्यक विवाद खड़ा हुआ।

शिव जयंती के माहौल का जिक्र

सपकाल ने कहा कि इस समय राज्य में शिव जयंती की तैयारियां पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ चल रही हैं और शिवप्रेमी इन आयोजनों में जुटे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दो दिन पहले दिए गए उनके बयान को भारतीय जनता पार्टी ने तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया, जिससे शिवभक्तों की भावनाएं आहत हुईं।

तुलना से किया इनकार

उन्होंने स्पष्ट किया कि अपने बयान में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रशंसा की थी और साथ ही टीपू सुल्तान के कार्यों का उल्लेख किया था, लेकिन दोनों की किसी प्रकार की तुलना नहीं की थी। सपकाल ने कहा कि उनके बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया, जिसका वे कड़े शब्दों में विरोध करते हैं और इसी कारण उन्होंने अपना पूर्व बयान वापस ले लिया है।

पश्चिम रेलवे

व्हील सेट एक्सल बॉक्स असेंबली का डिस्मेंटलिंग एवं सफाई कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई -400013, **निविदा सूचना संख्याः WR-LWSOMEPL(COTR)127/2025/697448 दिनांकः 13.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थानः** कैरिज रिपेयर वर्कशॉप, लोअर परेल में व्हील सेट एक्सल बॉक्स असेंबली का डिस्मेंटलिंग एवं सफाई कार्य। मात्राः 8,400 व्हील सेट अनुमानित लागतः48,40,164/-, ईएमडीः 96,900/- ऑनलाइन निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः 09.03.2026, दोपहर 12:00 बजे तक ऑनलाइन निविदा खोलने की तिथि एवं समयः 09.03.2026, दोपहर 12:30 बजे अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1126

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

डीसीएम शिंदे के पीए का अज्ञात ने बनाया फर्जी फेसबुक अकाउंट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बढ़ते साइबर अपराध के बीच नेताओं और उनके कर्मचारियों की सुरक्षा भी चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पीए प्रभाकर काले का नाम और फोटो इस्तेमाल कर किसी अज्ञात व्यक्ति ने फेसबुक पर फर्जी अकाउंट बनाया है। प्रभाकर काले ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराई है।

नागरिकों के लिए चेतावनी

सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों को ठगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। नेताओं और अधिकारियों के नाम पर बनाए गए ऐसे अकाउंट्स के माध्यम से लोगों से पैसे मांगने या व्यक्तिगत जानकारी निकालने की कोशिश की जा रही है। प्रभाकर काले के साथ भी यही स्थिति सामने आई है, जिसमें किसी अज्ञात ने उनके नाम का दुरुपयोग किया। काले ने नागरिकों से अपील की है कि उनके नाम से चल रहे फर्जी फेसबुक अकाउंट से सतर्क रहें। किसी भी जानकारी को शेयर न करें और अगर पैसे की मांग की जाती है तो उसे पूरी तरह नकार दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उक्त अकाउंट उनके द्वारा नहीं बनाया गया है और इससे कोई भी लेनदेन न किया जाए।

कई सालों से बिश्नोई गैंग के संपर्क में था कुशवाहा

मुंबई। मशहूर बॉलीवुड फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में हरियाणा और उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार आरोपियों की क्राइम ब्रांच पूछताछ में खुलासा हुआ कि फायरिंग का मास्टरमाइंड शुभम लोनकर के निर्देश पर विष्णु कुशवाहा ने शूटर दीपक शर्मा, सनी कुमार, सोनू कुमार समेत अन्य आरोपियों को रिक्रूट किया और उन्हें ब्रेनवाश किया गया, जिसमें हिंदुत्व और बड़े सपनों का लालच दिखाया गया।

मध्य रेल

ट्रक किराए पर लेना

मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, माटुंगा, मुंबई - 400 019 **निविदा सूचना क्र-आरआर/पीआर/डब्ल्यूसी/2115/2025-26/85 1. कार्य का विवरणः** माटुंगा स्थित कैरिज वर्कशॉप में सामग्री, स्क्रैप अपशिष्ट और बिक्री योग्य कम मूल्य वाले स्क्रैप के परिवहन के लिए 10 मीट्रिक टन क्षमता वाले 1 ट्रक की किराये पर रखने का कार्य। **2. मात्राः** दर अनुसूची के अनुसार **3. निविदा समापन/खोलने और समय की तिथिः** 10.03.2026, 13:00 बजे तक **4.** निविदा विवरण और निविदा दस्तावेज **www.gem.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदाएं वेबसाइट के माध्यम से केवल ई-टेंडरिंग प्रारूप में ही स्वीकार की जाएंगी। **Gem Bid No. GEM/2025/B/661202 Dated: 16-09-2025** 914

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड

निविदा हेतु आमंत्रण : MRVC-W-208B

(एकल पैकेट ई-प्रोक्योरमेंट निविदा प्रक्रिया)

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेट लि., कॉर्पोरेट कार्यालय, दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन भवन, मुंबई-400020 द्वारा, **"एमयूटीपी-IIIA के तहत पश्चिम रेलवे के दादर एवं भायंदर स्टेशनों के स्टेशन सुधार कार्य हेतु विभिन्न दूरसंचार (टेलीकॉम) कार्यों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कार्यान्वयन"** हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के विवरण तथा निविदा दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app** पर उपलब्ध हैं। वेबसाइट **https://www.eprocure.gov.in/eprocure/app** पर परिपूर्ण ई-निविदा जमा करने की अंतिम **तिथि 23.03.2026 दोपहर 15:00 बजे तक है। शुद्धिपत्र, यदि कोई है, केवल वेबसाइट पर ही प्रदर्शित किया जायेगा।**

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

के.ई.एम. अस्पताल, परेल, मुंबई - 400012

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नं.: KEM/34/TDRE-III दिनांक 02/2026

यह एक ई-टेंडर सूचना है। Brihanmumbai Municipal Corporation द्वारा निम्नलिखित उपकरणों की दर अनुबंध (Rate Basis) पर आपूर्ति हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः

क्र.	कार्य विवरण	टेंडर शुल्क	EMD राशि	सॉल्वेंसी	ऑनलाइन डाउनलोड प्रारंभ	ऑनलाइन सबमिशन अंतिम तिथि
1)	KEMH/409/TDRE-III के.ई.एम. अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के लिए 5 नग टॉर्निकेट सिस्टम (Tourniquet System) की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग (SITC) मानक सहायक उपकरणों सहित तथा 3 वर्ष की वारंटी पूर्ण होने के बाद 7 वर्षों का व्यापक रखरखाव अनुबंध (CMC)। ई-टेंडर आईडीः 2026_MCGM_1276429_1	3,630/- + 18% GST (653.40) = कुल 4,284/-	19,050/-	5 लाख	18.02.2026, 16:00 बजे	27.02.2026, 16:00 बजे
2)	KEMH/410/TDRE-III के.ई.एम. अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग के लिए 1 नग 32 चैनल डिजिटल VEEG सिस्टम की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग (SITC) मानक सहायक उपकरणों सहित तथा 3 वर्ष की वारंटी पूर्ण होने के बाद 7 वर्षों का व्यापक रखरखाव अनुबंध (CMC)। ई-टेंडर आईडीः 2026_MCGM_1276440_1	7,260/- + 18% GST (1,306.80) = कुल 8,567/-	28,350/-	10 लाख	18.02.2026, 16:00 बजे	27.02.2026, 16:00 बजे

निविदा दस्तावेज बीएमसी पोर्टल (portal.mcgm.gov.in) पर उपलब्ध हैं।बोली केवल महाटेंडर पोर्टल (https://mahatenders.gov.in) के माध्यम से ही स्वीकार की जाएगी।किसी भी प्रकार का शुद्धिपत्र (Corrigendum) केवल महाटेंडर वेबसाइट एवं बीएमसी पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा।
स्थानीय समाचार पत्रों में कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
निविदा दस्तावेज डाक द्वारा जारी या स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हस्ता/-
डीन (के.ई.एम. अस्पताल)

पीआरओ/3017/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

वादों के रिश्ते और कानून की मर्यादा

शादी का झांसा देकर संबंध बनाने के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने एक जरूरी बहस को जन्म दिया है। अदालत ने साफ कहा है कि हर असफल प्रेम संबंध को दुष्कर्म का मामला नहीं बनाया जा सकता।

यह टिप्पणी केवल कानूनी तकनीक नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक रिश्तों की जटिलता को समझने की कोशिश भी है। आज के समय में भावनाएं, आकर्षण और भविष्य के वादे अक्सर जल्दबाजी में किए जाते हैं, लेकिन जब रिश्ते टूटते हैं तो वही वादे आरोप और मुकदमे का आधार बन जाते हैं। इस पूरे प्रश्न में केवल एक पक्ष को दोषी ठहराना आसान है, लेकिन सच यह है कि ऐसी स्थितियों में अक्सर दोनों तरफ से गलतियां होती हैं। कई मामलों में पुरुष शादी का भरोसा देकर संबंध बनाता है, जबकि भीतर से वह इस रिश्ते को गंभीरता से लेने के लिए तैयार नहीं होता। यह भावनात्मक धोखा है और कानून भी इसे अपराध की नजर से देखता है। किसी के भरोसे, सम्मान और भविष्य की आशा के साथ खेलना न केवल कानूनी, बल्कि नैतिक रूप से भी गलत है। दूसरी ओर, कुछ मामलों में रिश्ते आपसी सहमति से चलते हैं, लंबे समय तक संबंध रहते हैं और दोनों पक्ष भविष्य के सपने देखते हैं। लेकिन जब किसी कारण से शादी नहीं हो पाती, तो वही रिश्ता अचानक दुष्कर्म के आरोप में बदल जाता है। ऐसे मामलों में यह भी देखना जरूरी है कि क्या वास्तव में सहमति केवल शादी के वादे पर आधारित थी या वह एक स्वेच्छिक संबंध था, जो बाद में टूट गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसी बिंदु पर जोर देते हुए कहा है कि हर असफल प्रेम कहानी को अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। यहां समाज की भी भूमिका सामने आती है।

हमारे यहां अभी भी शादी को ही रिश्ते की अंतिम मंजिल माना जाता है। ऐसे में प्रेम संबंध टूटने पर सामाजिक दबाव और पारिवारिक प्रतिष्ठा की चिंता कई बार कानूनी रास्ते को आसान विकल्प बना देती है। दूसरी तरफ, पुरुषों के बीच भी यह प्रवृत्ति दिखती है कि वे रिश्तों को गंभीरता से लेने के बजाय केवल शारीरिक आकर्षण के आधार पर निर्णय लेते हैं। इस मानसिकता ने भी कई दुखद स्थितियां पैदा की हैं। कानून का उद्देश्य न्याय दिलाना है, न कि भावनात्मक संघर्षों को आपराधिक मुकदमों में बदल देना। यदि वास्तव में किसी महिला को धोखे से संबंध बनाने के लिए मजबूर किया गया है, तो यह गंभीर अपराध है और दोषी को सख्त सजा मिलनी चाहिए। लेकिन यदि संबंध आपसी सहमति से बना और बाद में परिस्थितियों के कारण टूट गया, तो उसे दुष्कर्म कहना कानून की गंभीरता को कमजोर कर देता है। समाज को भी इस मुद्दे पर आत्ममंथन करना होगा। रिश्तों में भरोसा और जिम्मेदारी दोनों तरफ से जरूरी है। वादे सोच-समझकर किए जाएं और भावनाओं के आधार पर लिए गए निर्णयों के परिणामों को भी समझा जाए। केवल कानून पर निर्भर रहकर रिश्तों की जटिलता को सुलझाया नहीं जा सकता। सुप्रीम कोर्ट का ताजा रुख इसी संतुलन की ओर इशारा करता है। अदालत ने एक ओर महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को महत्व दिया है, तो दूसरी ओर कानून के दुरुपयोग की संभावना को भी पहचाना है। यह संदेश स्पष्ट है कि रिश्तों में ईमानदारी दोनों पक्षों की जिम्मेदारी है, और कानून का सम्मान तभी बना रहेगा, जब उसका इस्तेमाल न्याय के लिए हो, न कि टूटे दिलों के प्रतिशोध के लिए।

मुनाफे की दवा और पीड़ा का बाजार

अमित बृज
डीबीडी के कार्यकारी संपादक हैं

ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं में उत्पादन लागत और बाजार मूल्य के बीच 300 से 1000 प्रतिशत तक का अंतर होता है। उदाहरण के तौर पर, कुछ सामान्य एंटीबायोटिक या दर्दनिवारक दवाओं की निर्माण लागत 5 से 10 रुपये होती है, जबकि वही दवा बाजार में 80 से 150 रुपये तक में बेची जाती है।

भारतीय संसद में जब भी जनहित से जुड़ा कोई मुद्दा उठता है, तो उसका असर सीधे आम नागरिकों के जीवन पर पड़ता है। हाल ही में राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने दवा कम्पनियों के अत्यधिक मुनाफे का प्रश्न उठाकर स्वास्थ्य व्यवस्था के एक गंभीर पक्ष को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। उन्होंने संसद में कहा कि कुछ दवाओं पर 600 से 1000 प्रतिशत तक का लाभ कमाया जा रहा है। यह आंकड़ा केवल एक आर्थिक तथ्य नहीं, बल्कि करोड़ों मरीजों की मजबूरी और पीड़ा का संकेत है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा दवा उत्पादक देश माना जाता है, परंतु घरेलू स्तर पर स्वास्थ्य खर्च का बोझ अब भी आम जनता पर ही पड़ता है।

विभिन्न सरकारी और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार भारत में कुल स्वास्थ्य खर्च का लगभग 48 से 55 प्रतिशत हिस्सा लोगों को अपनी जेब से देना पड़ता है। इस खर्च में सबसे बड़ा हिस्सा दवाओं का होता है, जो कई बार कुल इलाज खर्च का 60 से 70 प्रतिशत तक पहुंच जाता है। इसका अर्थ यह है कि अस्पताल की फीस से ज्यादा बोझ दवाओं का पड़ता है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार हर साल करीब 5 से 6 करोड़ लोग केवल स्वास्थ्य खर्च के कारण गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। इनमें बड़ी संख्या उन परिवारों की होती है जिन्हें लंबे समय तक दवा लेनी पड़ती है, जैसे मधुमेह, हृदय रोग या कैंसर के मरीज। एक सामान्य मधुमेह रोगी को हर महीने औसतन 800 से 2000 रुपये तक की दवाएं खरीदनी पड़ती हैं, जबकि कैंसर के इलाज में यह खर्च हजारों से लाखों रुपये तक पहुंच जाता है। स्वाति मालीवाल ने जिस मुद्दे को उठाया, वह दरअसल लंबे समय से चर्चा में रहा है। विभिन्न संसदीय समितियों और

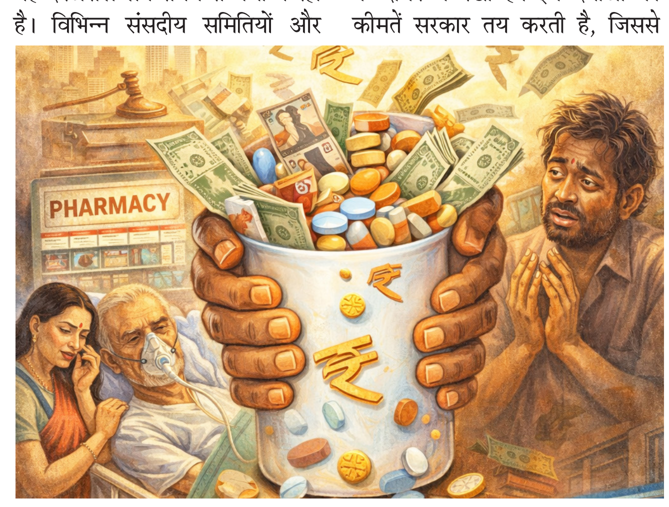

अध्ययन रिपोर्टों में पाया गया है कि कई ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं में उत्पादन लागत और बाजार मूल्य के बीच 300 से 1000 प्रतिशत तक का अंतर होता है। उदाहरण के तौर पर, कुछ सामान्य एंटीबायोटिक या दर्दनिवारक दवाओं की निर्माण लागत 5 से 10 रुपये होती है, जबकि वही दवा बाजार में 80 से 150 रुपये तक में बेची जाती है। इस अंतर में वितरण, विपणन और डॉक्टरों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन की बड़ी भूमिका मानी जाती है। सरकार ने आवश्यक दवाओं की कीमत नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण के माध्यम से लगभग 380 से अधिक दवाओं और उनके हजारों संयोजनों को मूल्य नियंत्रण के दायरे में रखा है। इन दवाओं की कीमतें सरकार तय करती है, जिससे मरीजों को राहत मिलती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के तहत देशभर में 10,000 से अधिक जन औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं, जहां बाजार से 50 से 90 प्रतिशत तक सस्ती दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। फिर भी समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। आवश्यक दवाओं की सूची के बाहर आने वाली हजारों दवाओं पर कोई मूल्य नियंत्रण नहीं है। यही वह क्षेत्र है जहां अत्यधिक लाभ की शिकायतें सामने आती हैं। कई अध्ययनों में पाया गया है कि एक ही दवा के अलग-अलग ब्रांडों के बीच कीमत का अंतर 5 से 20 गुना तक हो सकता है, जबकि उनकी गुणवत्ता और संरचना लगभग समान होती है। इस स्थिति का सबसे बड़ा असर मध्यमवर्ग और गरीब परिवारों पर पड़ता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार यदि किसी परिवार की आय का 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च होता है, तो उसे आर्थिक संकट की श्रेणी में माना जाता है। भारत में करोड़ों परिवार इस स्थिति से गुजरते हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में तो कई बार लोग दवाओं के खर्च से बचने के लिए इलाज ही टाल देते हैं, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। स्वाति मालीवाल द्वारा संसद में उठाया गया मुद्दा इसीलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह केवल दवा कम्पनियों के लाभ का प्रश्न नहीं, बल्कि स्वास्थ्य व्यवस्था की नैतिकता का सवाल भी है। दवा उद्योग का तर्क है कि अनुसंधान, गुणवत्ता और वितरण पर खर्च होता है, परंतु जेनेरिक दवाओं के मामले में अत्यधिक मार्जिन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। जरूरत इस बात की है कि मूल्य निर्धारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो, आवश्यक दवाओं की सूची का विस्तार किया जाए और डॉक्टरों तथा दवा कम्पनियों के संबंधों पर सख्त निगरानी रखी जाए। साथ ही, जन औषधि केंद्रों का विस्तार ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों तक किया जाना चाहिए, ताकि सस्ती दवाएं हर नागरिक तक पहुंच सकें।

हमारी गीता

दुर्योधन का अविश्वास

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

महाभारत का युद्ध निश्चित होने पर श्रीकृष्ण ने यह प्रतिज्ञा की कि वे युद्ध में शस्त्र नहीं उठाएंगे। उन्होंने कौरवों और पांडवों के सामने स्पष्ट विकल्प रखा—एक ओर मैं निःशस्त्र रहूंगा और दूसरी ओर मेरी नारायणी सेना। दुर्योधन ने बिना देर किए सेना को चुन लिया, क्योंकि वह श्रीकृष्ण के आध्यात्मिक महत्व को समझ ही नहीं पाया। उसे बाहरी शक्ति और संख्या पर अधिक भरोसा था। दूसरी ओर अर्जुन ने निःशस्त्र श्रीकृष्ण को चुना, क्योंकि उसे विश्वास था कि सत्य और धर्म के साथ रहने वाला ही अंततः विजयी होता है। युद्धभूमि में जब दोनों सेनाएं आमने-सामने खड़ी हुईं, तब दुर्योधन ने पांडवों की सेना को देखकर द्रोणाचार्य के पास जाकर उसका वर्णन किया। उसने पांडव पक्ष के प्रमुख योद्धाओं के नाम गिनाते हुए स्वीकार किया कि वे भीम और अर्जुन के समान पराक्रमी हैं। संख्या में कम होने पर भी पांडवों की सेना में उत्साह, आत्मीयता और धर्म का बल था। उनके साथ द्रौपदी के पिता, भाई, अभिमन्यु, राजा विराट और अनेक संबंधी थे, जो विश्वास और कर्तव्य की भावना से युद्ध कर रहे थे। दुर्योधन बाहर से आत्मविश्वास का प्रदर्शन कर रहा था, पर भीतर से वह भय और अस्थिरता से घिरा हुआ था। उसे पांडवों की नैतिक शक्ति का आभास हो चुका था, फिर भी उसका अहंकार उसे सत्य स्वीकार करने नहीं देता था। उसने अपने पक्ष के योद्धाओं के नाम गिनाकर स्वयं को आश्वस्त करने का प्रयास किया। द्रोणाचार्य को सम्मानपूर्वक संबोधित करते हुए भी उसके मन में वास्तविक श्रद्धा का अभाव था। दुर्योधन का यही अविश्वास और अहंकार उसके पतन का मूल कारण बना। उसने श्रीकृष्ण की आध्यात्मिक शक्ति और धर्म की महत्ता को नहीं समझा। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि केवल सेना, बल और संख्या से विजय नहीं मिलती, बल्कि सत्य, विश्वास और धर्म का साथ ही अंतिम विजय दिलाता है।

शख्सियत | यशवंतराव बाळकृष्ण चव्हाण

आधुनिक राष्ट्रनिर्माण के पुरोधा

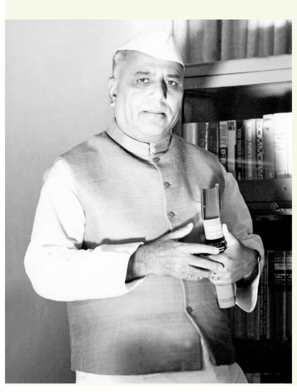

भारत के स्वतंत्रता संग्राम और आधुनिक राष्ट्रनिर्माण की कहानी में कुछ नाम ऐसे हैं, जिनका जीवन स्वयं एक प्रेरक ग्रंथ बन जाता है। यशवंतराव बाळकृष्ण चव्हाण ऐसे ही दूरदर्शी नेता थे।

जिन्होंने साधारण परिवार में जन्म लेकर अपने परिश्रम, निष्ठा और राष्ट्रप्रेम के बल पर देश की राजनीति में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उनका जन्म 18 फरवरी 1913 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के एक छोटे से गांव देवरे में हुआ। बचपन में ही पिता का साया उठ गया, जिससे परिवार आर्थिक और भावनात्मक संकटों से घिर गया। उनकी मां विठाबाई ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने बेटे को शिक्षा और संस्कार देने में कोई कमी नहीं रखी। यही संघर्ष भरा वातावरण उनके व्यक्तित्व की नींव बना, जिसने उन्हें कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनसे सीखने की प्रेरणा दी। युवा अवस्था में ही वे स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ गए। महात्मा गांधी और पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं से प्रेरित होकर उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आवाज उठाई। इस दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा, लेकिन उनके मन में देशभक्ति की ज्वाला और प्रबल हो गई। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया, न कि सत्ता का साधन। 1960 में जब महाराष्ट्र राज्य का गठन हुआ, तब यशवंतराव चव्हाण उसके पहले मुख्यमंत्री बने। यह समय राज्य के पुनर्गठन और विकास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण था। उन्होंने शिक्षा, उद्योग, कृषि और सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया। उनके नेतृत्व में महाराष्ट्र ने प्रगति की मजबूत नींव रखी, जिसके कारण उन्हें राज्य के आधुनिक विकास का शिल्पकार कहा जाता है। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था कमजोर मानी जा रही थी। ऐसे कठिन समय में उन्हें भारत का रक्षा मंत्री बनाया गया। उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण, प्रशिक्षण और संगठन पर विशेष जोर दिया। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना ने खुद को नए आत्मविश्वास के साथ तैयार किया। उनकी कार्यशैली में संतुलन, दूरदर्शिता और निर्णय क्षमता का अद्भुत मेल दिखाई देता था। इसके बाद वे वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और अंततः देश के उपप्रधानमंत्री भी बने। हर पद पर उन्होंने संयम, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ काम किया। वे सादगी और विचारशीलता के प्रतीक थे। सत्ता के उच्च शिखर पर पहुंचने के बाद भी उनका व्यवहार विनम्र और जनसाधारण के करीब रहा। उनका जीवन यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियां किसी व्यक्ति को कमजोर नहीं करतीं, बल्कि उसे मजबूत और संवेदनशील बनाती हैं। उन्होंने कभी व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता नहीं दी, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। वे मानते थे कि राजनीति का असली उद्देश्य समाज को आगे बढ़ाना और लोगों के जीवन को बेहतर बनाना है। हमें यह प्रेरणा देता है कि संघर्ष से कोई भी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए महान कार्य कर सकता है।

जीवन ऊर्जा

टोनी मॉरिसन : जन्म -18 फरवरी 1931 | जन्म

शब्द दुनिया बदल सकते हैं

टोनी मॉरिसन का जन्म 18 फरवरी 1931 को अमेरिका में हुआ और निधन 5 अगस्त 2019 को हुआ। वे नोबेल पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध उपन्यासकार थीं। उनकी रचनाओं में अश्वेत समाज का इतिहास, पीड़ा और आत्मसम्मान सशक्त रूप में उभरता है। वे विश्व साहित्य की अत्यंत प्रभावशाली लेखिका मानी जाती हैं

यदि कोई पुस्तक है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं और वह अभी लिखी नहीं गई है, तो आपको ही उसे लिखना होगा। स्वतंत्रता अपनी कहानी स्वयं लिखने का साहस है। प्रेम भावना के साथ जिम्मेदारी भी है। आप अपने जीवन के मालिक हैं। इतिहास का दर्द पहचान बन सकता है।

खुद को परिभाषित करने का अधिकार आपका है। भय से मुक्ति ही आजादी है। सुंदरता आत्मसम्मान में है। शब्द दुनिया बदल सकते हैं। घाव हमें मजबूत बनाते हैं। आत्मसम्मान सबसे बड़ा आभूषण है। सच्चाई से भागा नहीं जा सकता। सच्चा प्रेम स्वतंत्रता देता है। अतीत समझे बिना भविष्य नहीं बनता। दुख गहराई देता है। यादें रूप बदलती हैं। प्रेम में सम्मान जरूरी है। साहस टूटकर भी खड़े होने में है। हर इंसान अपनी कहानी का लेखक है। पहचान सबसे बड़ी पूंजी है। खुद को दूसरों की नजर से मत आंकिए। प्रेम आत्मा को शांति देता है। खामोशी में भी शक्ति होती है। घावों को ताकत बनाइए। दूसरों का दर्द समझिए। पहले खुद को सम्मान दीजिए। डर रोकता है, पर आगे बढ़ाता है। सच्चा प्रेम मजबूत बनाता है। जड़ों को जानना पहचान है। संघर्ष नई कहानी लिखता है। आत्मविश्वास सबसे बड़ी शक्ति है। अपनी आवाज सुनिए। जीवन का अर्थ आप तय करते हैं। उम्मीद अंधेरे में भी रोशनी देती है। प्रेम तभी सच्चा है, जब उसमें भय न हो। अपने भीतर की रोशनी को कभी बुझने मत दीजिए। दूसरों की कहानी सुनना भी मानवता का एक रूप है। जो समाज अपने अतीत को भूल जाता है, वह अपना भविष्य खो देता है। शब्द केवल ध्वनि नहीं, वे आत्मा की अभिव्यक्ति होते हैं।

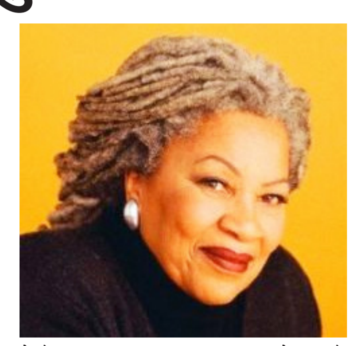

प्रेम वह शक्ति है, जो टूटे दिलों को भी जोड़ सकती है। अपनी पहचान से भागना सबसे बड़ा दुख है। जो इंसान खुद से प्रेम नहीं करता, वह किसी और से भी नहीं कर सकता। हर मनुष्य सम्मान का अधिकारी है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

अतिथि देवो भव : भारतीय संस्कृति का उज्ज्वल आदर्श

भारतीय संस्कृति में अतिथि का स्थान अत्यंत ऊंचा माना गया है। 'अतिथि' शब्द का अभिप्राय ही बताता है कि जिसका आगमन निश्चित तिथि के बिना हो, जो बिना सूचना के घर आ जाए, वही अतिथि कहलाता है। भारतीय परंपरा में यह सिद्धांत अत्यंत प्राचीन है कि अतिथि भगवान के समान होता है। इस विचार को 'अतिथि देवो भव' के रूप में जाना जाता है, जो तैत्तिरीय उपनिषद से लिया गया है। इसका मूल भाव यह है कि घर आए मेहमान का आदर, सम्मान और सेवा उसी भाव से की जानी चाहिए, जैसे किसी देवता की पूजा की जाती है। भारतीय जीवन पद्धति में गृहस्थ आश्रम को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। गृहस्थ ही समाज की धुरी है, क्योंकि वही परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए आवश्यक संसाधनों का सृजन करता है। इसी कारण गृहस्थ का एक प्रमुख धर्म अतिथि सत्कार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति हमारे घर आता है, चाहे वह संबंधी हो, मित्र हो, पड़ोसी हो या कोई अपरिचित, उसका स्वागत करना हमारा कर्तव्य होता है। अतिथि का सत्कार केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि मन की उदारता और संस्कारों की पहचान है। शास्त्रों में कहा गया है—

प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः।
तस्मात्तदेव वक्तव्यं वचने का दरिद्रता।।

अर्थात, मधुर वचन सुनकर सभी प्राणी प्रसन्न होते हैं, इसलिए मनुष्य को अपने वचनों में कभी कंजूसी नहीं करनी चाहिए। अतिथि सत्कार का मूल आधार भी यही है कि अतिथि का स्वागत प्रेम और सम्मान से किया जाए।

यदि आर्थिक स्थिति साधारण है, तब भी अतिथि का सत्कार किया जा सकता है। सत्कार का अर्थ केवल भोजन या भौतिक सुविधाएं देना ही नहीं होता, बल्कि स्नेहपूर्ण व्यवहार और मधुर वाणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। धर्मग्रंथों में बताया गया है कि यदि किसी के पास धन नहीं है, तो वह अतिथि को बैठने के लिए आसन दे सकता है। यदि आसन भी उपलब्ध न हो, तो तृण रखकर या भूमि पर बैठने का आग्रह कर सकता है।

इसके बाद उसे जल पिलाना चाहिए, क्योंकि जल जीवन का आधार है और अतिथि के प्रति सम्मान का प्रतीक भी। यदि उस समय जल भी उपलब्ध न हो, तो कम से कम मीठे वचनों से उसका स्वागत अवश्य करना चाहिए। इसके विपरीत, यदि कोई अतिथि घर आए और गृहस्थ उसकी ओर ध्यान ही न दे, न उसे बैठने के लिए स्थान दे, न जल दे और न ही मधुर वाणी से उसका स्वागत करे, तो यह अत्यंत अशुभ माना गया है। कहा गया है कि इससे अतिथि का कुछ नहीं बिगड़ता, परंतु उसकी पीड़ा और उपेक्षा का भाव गृहस्थ के लिए अशुभ फल दे सकता है। इसलिए हर गृहस्थ को यह ध्यान रखना चाहिए कि उसके घर आया अतिथि निराश होकर न लौटे। अतिथि सत्कार केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक भी है।

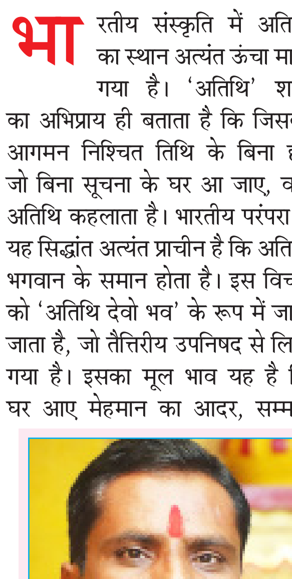

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

राहुल गांधी नेता बनने के काबिल ही नहीं हैं। राहुल गांधी अभी ऐसे व्यक्ति नहीं बन पाए हैं जो कि सभी के साथ बराबरी का व्यवहार कर सकें और बातचीत के लिए सभी के लिए दरवाजा खुला रखें। राहुल गांधी परिवार की विचारधारी में ही बंधकर रहे हैं और अपने शुभचिंतकों की बातें भी नहीं सुन पाते हैं।

नवजोत कौर सिंद्धू
निष्कासित नेता, कांग्रेस

उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान फॉर्म-7 के दुरुपयोग के जरिए समाजवादी पार्टी के समर्थकों के वोट काटने का गंभीर षड्यंत्र रचा गया।

अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

समाजवादी पार्टी 2027 का चुनाव हार रही है इसलिए लगातार अफवाह फैला रही है। भाजपा का कार्यकर्ता दिन-रात मेहनत करता है, बूथ पर दौड़ रहा है। समाजवादी पार्टी के गुंडे, अपराधी, माफिया हैं।

केशव प्रसाद मौर्य
डिप्टी सीएम
उत्तर प्रदेश

मैं महाराष्ट्र की बेटी हूं और वह सिर्फ माला तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर तलवार लेकर भी मैदान में उतर चुकी हैं। जो लोग देश के अंदर फिर से बाबरी जैसी सोच को बढ़ावा दे रहे हैं, उन्हें अंजाम भुगतना होगा। ऐसे लोगों के लिए भारत में कोई स्थान शेष नहीं बचेगा।

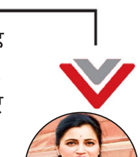

नवनीत राणा
नेता, भाजपा महाराष्ट्र

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

चिराग पासवान से शिष्टमंडल की मुलाकात, विशेष ट्रेन की मांग

नवी मुंबई। युवा नेता एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान 'बिहार फास्ट, बिहारी फास्ट – एक परिवार' कार्यक्रम के तहत मुंबई पहुंचे, जहां युवा नेता विकास सिंह के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने उनसे मुलाकात कर बिहार में जीत पर बधाई दी। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें नवी मुंबई में आयोजित स्वागत समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया और समाज से जुड़ी विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। साथ ही त्योहारों के दौरान मुंबई से बिहार जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन चलाने की मांग भी रखी गई। इस अवसर पर समाजसेवक विकास सिंह, अनिल वारे, राकेश मिश्रा और विवेक दुबे मौजूद रहे।

जीएम मोमिन वुमेन्स कॉलेज में "रमूज़-ए-कीमिया" का आयोजन

भिवंडी। भिवंडी स्थित जी एम मोमिन वुमेन्स कॉलेज में कोकण मुस्लिम एजुकेशन सोसाइटी के तत्वावधान में रसायन शास्त्र विभाग और केमिस्ट्री टीचर्स एसोसिएशन द्वारा एक दिवसीय "रमूज़-ए-कीमिया" विज्ञान प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें शहर के 11 सेकेंडरी स्कूलों, 8 जूनियर कॉलेजों और 4 डिग्री कॉलेजों के कुल 320 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उद्घाटन समारोह में चेयरपर्सन सहबा पठान, प्राचार्या डॉ. तबस्सुम शेख और विभागाध्यक्ष डॉ. जयश्री ठाकरे सहित निर्णायक मंडल उपस्थित रहा। कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता, साइंस क्विज़, मॉडल प्रतियोगिता, केमिस्ट्री वर्ड ट्रेल, एलिमेंट ऑक्शन और मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर शो-डाउन जैसी सात प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को कुल 48 पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुंबई-रीवा विशेष ट्रेनों के 34 सेवाओं का विस्तार

मुंबई। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, रेलवे मुंबई और रीवा के बीच चलने वाली विशेष ट्रेन सेवाओं का विस्तार करेगी। प्रत्येक शुक्रवार को चलने वाली 02188 सीएसएमटी मुंबई-रीवा विशेष ट्रेन अब दिनांक 27.02.2026 से 26.06.2026 तक (17 सेवा) चलेगी। प्रत्येक गुरुवार को चलने वाली 02187 रीवा-सीएसएमटी मुंबई विशेष ट्रेन अब दिनांक 26.02.2026 से 25.06.2026 तक (17 सेवा) चलेगी। ट्रेनों के चलने के दिनों, समय, ट्रेनों की संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा।

शिक्षा बोर्ड: 13 साल से समायोजन के इंतजार में शिक्षक और कर्मचारी

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर में 2013 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा सभी नगर निगमों के शिक्षा बोर्ड भंग कर उनके अधिकारियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को संबंधित निगमों में समायोजित करने के आदेश के बावजूद अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। 13 वर्ष बीत जाने के बाद भी कर्मचारियों का समायोजन न होने से सैकड़ों कर्मचारी अपने वैधानिक अधिकारों से वंचित हैं। इस गंभीर मुद्दे को लेकर शिवसेना शहर प्रमुख एवं नगरसेवक राजेंद्रसिंह भुल्लर ने आयुक्त और महापौर से संपर्क कर आक्रामक रुख अपनाया है।

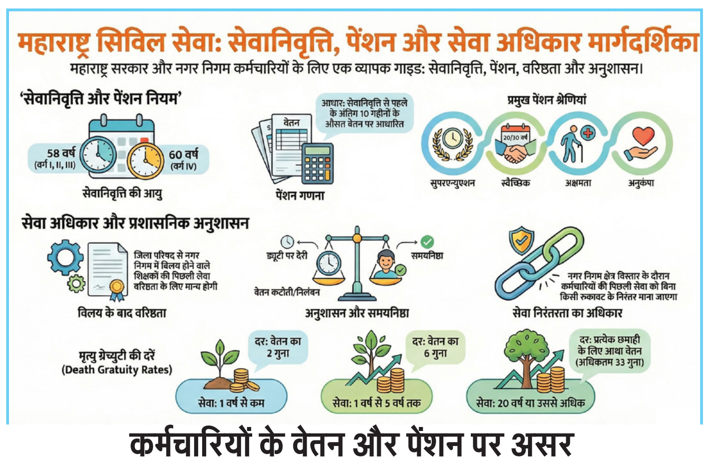

कर्मचारियों के वेतन और पेंशन पर असर

समायोजन में देरी के कारण कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं में 2013 से आवश्यक प्रविष्टियां नहीं की गईं। इसके चलते वे सरकार द्वारा स्वीकृत वेतनमान, पदोन्नति, पेंशन और अन्य लाभों से वंचित हैं। कई कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके अधिकारों के अनुरूप लाभ नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनमें असंतोष व्याप्त है।

अन्य मनपाओं में पूरी हुई प्रक्रिया, यहां अनदेखी

भुल्लर ने अपने निवेदन में उल्लेख किया कि राज्य की अन्य महानगरपालिकाओं में 2014 तक समायोजन प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, जबकि उल्हासनगर मनपा प्रशासन ने इसे नजरअंदाज किया। उन्होंने बताया कि 2023 में तत्कालीन आयुक्त श्री शेख ने स्पष्ट कार्यालय आदेश जारी किया था, फिर भी सामान्य प्रशासन विभाग ने उस पर अमल नहीं किया। इसे उन्होंने प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर उदाहरण बताया।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

राजेंद्रसिंह भुल्लर ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि शिक्षा बोर्ड के सभी कर्मचारियों का तत्काल मनपा विभाग में समायोजन किया जाए और 2013 से सेवा पुस्तिकाओं में लंबित प्रविष्टियां पूर्ण की जाएं। साथ ही, वर्षों तक देरी करने और सरकारी आदेश की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की मांग भी की है।

कॉन्ट्रैक्ट वर्कर और विरासत के अधिकार के मुद्दे सुलझाए जाएंगे: केलकर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे में आयुक्त सौरभ राव ने विधायक संजय केलकर को आश्वासन दिया कि मनपा के कॉन्ट्रैक्ट वर्करों की सुविधाओं, न्यूनतम वेतन और लंबित विरासत अधिकार मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाएगा। बैठक में उपमहापौर कृष्णा पाटिल, ग्रुप लीडर मुकेश मोकाशी, नगरसेवक सुनेश जोशी, सीताराम राणे, विकास पाटिल, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे तथा विभिन्न विभागों के उपायुक्त उपस्थित थे। केलकर ने कहा कि मनपा में बड़ी संख्या में कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट मजदूरों को न्यूनतम वेतन और आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं तथा ठेकेदारों द्वारा शोषण किया जा रहा है। उन्होंने नियमों का पालन न करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की मांग भी की।

कलर म्यूज़ियम प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने के निर्देश

बैठक में विरासत अधिकार (हेरीटेज) के लंबित मामलों पर भी चर्चा हुई, जिनकी संख्या अधिक बताई गई। आयुक्त सौरभ राव ने स्पष्ट किया कि इन मामलों को भी प्राथमिकता से निपटाया जाएगा। साथ ही विधायक केलकर द्वारा प्रस्तावित वर्ल्ड–क्लास कलर म्यूज़ियम परियोजना को गति देने के लिए आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए, ताकि ठाणे में इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को जल्द साकार किया जा सके।

कोंकण के सभी पीआरओ हिंद दी चादर कार्यक्रम को प्रसारित करें: उप निदेशक

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की 350वीं शहादत की सालगिरह के अवसर पर 28 फरवरी और 1 मार्च को खारघर, नवी मुंबई में "हिंद दी चादर" प्रोग्राम आयोजित किया जा रहा है। तीसरे फेज़ में नवी मुंबई ज़िला भी शामिल है, जिसमें सिख, सिक्लिकर, बंजारा, लबाना, मोहियाल, सिंधी और अन्य समुदाय के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए कोंकण रीजन के सभी पब्लिक रिलेशन ऑफिसरों से अपील की गई है कि वे प्रोग्राम का व्यापक प्रचार और पब्लिसिटी करें।

मीडिया और जनसंपर्क गतिविधियाँ

उप निदेशक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे स्थानीय मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद करें और प्रोग्राम के लिए प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा करें। सीनियर अधिकारियों की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाए और प्रत्येक विभाग के काम की बाइट ब्रॉडकास्ट की जाए। इसके अलावा, विभिन्न समुदायों के जीवन, योगदान और संस्कृति पर आधारित लेख तैयार कर उन्हें प्रिंट और डिजिटल माध्यमों में प्रकाशित किया जाए। इस बैठक में रत्नागिरी जिला सूचना अधिकारी प्रशांत सातपुते, पालघर जिला सूचना अधिकारी राहुल भालेराव, संभागीय सूचना कार्यालय की सहायक निदेशक और रायगढ़ मुख्य सूचना अधिकारी संजीवनी जाधव, मुंबई और नवी मुंबई मनपा जनसंपर्क अधिकारी, सिडको जनसंपर्क अधिकारी, ठाणे मनपा और अन्य महानगरपालिका जनसंपर्क अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी अधिकारियों ने प्रोग्राम के प्रचार, मीडिया कवर, और नागरिक जागरूकता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वीकार की, ताकि "हिंद दी चादर" का संदेश हर भक्त तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिशा-निर्देश

कार्यक्रम से जुड़ी तैयारियों और दिशा–निर्देशों को साझा करने के लिए कोंकण क्षेत्र के सभी जिला सूचना अधिकारियों, ठाणे और नवी मुंबई के महानगरपालिकाओं के जनसंपर्क अधिकारियों तथा सिडको जनसंपर्क अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की गई। डिप्टी डायरेक्टर मनोज सनप ने इस बैठक में बताया कि जिला स्तर पर आयोजित स्वास्थ्य शिविरों, प्रतियोगिताओं, गतिविधियों और स्कूल–कॉलेज कार्यक्रमों में "हिंद दी चादर" का प्रचार प्रभावी ढंग से किया जाए।

पनवेल–अलीपुरद्वार अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस 23 फरवरी से नियमित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल 23 फरवरी 2026 से अमृत भारत एक्सप्रेस (पनवेल–अलीपुरद्वार–पनवेल) की नियमित साप्ताहिक सेवाएं शुरू करेगा। हाल ही में आयोजित समारोह में नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन की पहली यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रेन संख्या 11031, 23.02.2026 से प्रत्येक सोमवार 11:50 बजे पनवेल से प्रस्थान कर तीसरे दिन 13:50 बजे अलीपुरद्वार पहुंचेगी। वहीं ट्रेन संख्या 11032, 26.02.2026 से प्रत्येक गुरुवार 04:45 बजे अलीपुरद्वार से चलकर तीसरे दिन 05:30 बजे पनवेल पहुंचेगी।

प्रमुख ठहराव और संरचना

यह ट्रेन कल्याण, नाशिक रोड, जलगांव, भुसावल, इटारसी, पिपरिया, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, बरगढ़, प्रयागराज छिवकी, मेजा रोड, मिर्ज़ापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर, हाजीपुर जंक्शन, मुज़फ़्फ़रपुर, समस्तीपुर, हसनपुर रोड, खगड़िया, मानसी, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, सिलीगुड़ी, बिन्नागुड़ी और हासीमारा सहित कई प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। ट्रेन की संरचना में 08 शयनयान श्रेणी, 11 सामान्य द्वितीय श्रेणी, एक पैंट्री कार तथा 02 लगेज सह गाड़र्स ब्रेक वैन शामिल हैं।

टीबी उन्मूलन पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

भिवंडी। भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका के क्षयरोग (टीबी) विभाग ने निजी चिकित्सकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की, जो सामाजिक संस्था Doctor For You (DFY) के सहयोग से संपन्न हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैद्यकीय आरोग्य अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर ने की, जबकि शहर क्षयरोग अधिकारी डॉ. बुशरा सय्यद, आरसीएच अधिकारी डॉ. वर्षा बारोड, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की कंसल्टेंट डॉ. ज्योति सालवे और छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. विक्रम जैन ने मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में राष्ट्रीय क्षयरोग निर्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के अंतर्गत निजी चिकित्सकों की भूमिका, टीबी नोटिफिकेशन, एमडीआर-टीबी, कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग, निक्षय मित्र योजना तथा संभावित टीबी मरीजों की पहचान और रिपोर्टिंग पर विस्तार से चर्चा हुई। IGM Hospital के डॉ. मो. अली धुरु सहित बड़ी संख्या में निजी चिकित्सक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि 2025-26 तक टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने में निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी बेहद अहम है। कार्यक्रम का समापन "टीबी हारेगा, देश जीतेगा" के संकल्प के साथ किया गया।

कर वसूली को लेकर सख्ती, 100% ब्याज माफी फिर लागू

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका में कर वसूली की समीक्षा के लिए अहम बैठक आयोजित की गई। कर संग्रह बढ़ाने के उद्देश्य से नवंबर 2025 में लागू 'अभय योजना' को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिला था। योजना के तहत नवंबर 2025 में 100% ब्याज माफी, दिसंबर 2025 में 75% और उसके बाद 50% छूट दी गई थी। सकारात्मक प्रतिसाद को देखते हुए महानगरपालिका ने फरवरी 2026 से फिर 100% ब्याज माफी लागू करने का निर्णय लिया है। प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निर्देश पर 13 फरवरी 2026 को अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने उपायुक्त (कर) बालकृष्ण क्षिरसागर के साथ समीक्षा बैठक लेकर कुल मांग, वसूली और शेष बकाया का आकलन किया।

15 दिन में होगी समीक्षा, सख्त कार्रवाई की चेतावनी

अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 100% ब्याज माफी की जानकारी अधिक से अधिक कर बकायेदारों तक पहुंचाई जाए और शत–प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब हर 15 दिन में वसूली की समीक्षा की जाएगी और जिन वसूली लिपिकों का प्रदर्शन कमजोर पाया जाएगा, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। बैठक में कर मूल्यांकन विभाग प्रमुख सुधीर गुरव सहित सभी प्रभागों के कर निरीक्षक और वसूली लिपिक उपस्थित रहे।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी का 350वां शहीदी समागम

भाषण और गीत- गाने के ज़रिए बताई गई बलिदान की कहानी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे में "हिंद दी चादर" गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम (28 फरवरी और 1 मार्च, खारघर) के उपलक्ष्य में विभिन्न स्कूलों में जनजागरण गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। विद्यार्थियों में गुरु तेग बहादुर के त्याग, बलिदान और धर्म की रक्षा के संदेश को पहुंचाने के उद्देश्य से भक्ति गीत एवं देशभक्ति गीत गायन प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्वक संपन्न हुईं। छात्रों ने गुरु की वीरता, मानवता और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए दिए गए बलिदान पर आधारित प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया।

भक्ति गीतों से इतिहास और मूल्यों का संदेश

ठाणे मनपा स्कूल क्रमांक 62, कासरवडवली तथा मुंब्रा के एंजेल्स पैराडाइज इंग्लिश हाई स्कूल में भी विशेष गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को गुरु तेग बहादुर साहिब के जीवन, उनकी शहादत के इतिहास और उन्हें "हिंद–दी–चादर" की उपाधि मिलने के कारणों से अवगत कराया। स्कूल प्राचार्यों ने छात्रों से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में सद्भाव, साहस और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में इतिहास के प्रति जागरूकता बढ़ी और संगीत के जरिए मूल्य शिक्षा का प्रभावी संदेश प्रसारित हुआ।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष व्यापार–व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। किसी प्रभावशाली वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। प्रसन्नता रहेगी। वैवाहिक

वृष पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे। घर–बाहर प्रसन्नता

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बेवजह चिड़चिड़ापन रह सकता है। धनागम होगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यापार ठीक चलेगा। लाभ के

कर्क कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यापार ठीक चलेगा। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कुसंगति

सिंह प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। निवेशादि लाभदायक रहेंगे। दुष्टजनों से सावधान रहें। हानि पहुंचा सकते हैं। प्रमाद न

कन्या रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। किसी बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। घर–बाहर

तुला प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है। व्यापार–व्यवसाय लाभदायक रहेगा।। नौकरी में कार्य की प्रशंसा

वृश्चिक दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक मित्र व संबंधी अतिथियों के रूप में घर आ सकते हैं। वाणी पर नियंत्रण रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। बुरे लोगों की

धनु घर–परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। दौड़धूप होगी। विवाद से क्लेश होगा। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। धनहानि की आशंका बनती है। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त

मकर किसी व्यक्ति के व्यवहार से लगेगा कि अपमान हुआ है। नई योजना बनेगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन पर विचार हो सकता है। व्यापार ठीक चलेगा। घर–परिवार में सुख–शांति रहेगी। आंखों को चोट व रोग से बचाएं। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुंभ ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भाइयों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। चिंता

मीन वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। नकारात्मकता रहेगी। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दूसरों पर भरोसा न करें। आशंका–कुशंका के चलते कोई बड़ी गलती हो सकती है।

सर्वदोष नाश, आत्मशुद्धि और शिव कृपा प्राप्ति का दिव्य मार्ग

प्रियंका जैन
9769994439

सनातन धर्म की परंपरा में भगवान शिव की उपासना को अत्यंत प्रभावशाली और शीघ्र फलदायी माना गया है। शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के आधार, चेतना और परम सत्य के प्रतीक हैं। जब मनुष्य अपने जीवन में दुख, संकट, ग्रहदोष, मानसिक अशांति, रोग, बाधा या कर्मजनित पीड़ा का अनुभव करता है, तब शिव आराधना उसके लिए सबसे सरल और प्रभावी उपाय बन जाती है। इन्हीं आराधनाओं में रुद्राभिषेक को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। रुद्राभिषेक का अर्थ है रुद्र स्वरूप भगवान शिव का पवित्र अभिषेक करना, अर्थात शिवलिंग पर वैदिक मंत्रों, विशेषकर रुद्र मंत्रों के साथ जल और अन्य पवित्र द्रव्यों द्वारा स्नान कराना। वेदों में स्पष्ट कहा गया है कि शिव और रुद्र एक ही परम तत्व के दो नाम हैं। "रुतम्" का अर्थ दुख और "द्रावयति" का अर्थ नष्ट करना होता है, अर्थात जो सभी दुखों का नाश करता है वही रुद्र है, वही शिव है।

मान्यता है कि मनुष्य के जीवन में जो भी दुख और कष्ट आते हैं, वे उसके पूर्व जन्म और वर्तमान जीवन के कर्मों का परिणाम होते हैं। जब साधक श्रद्धा और भक्ति के साथ रुद्राभिषेक करता है, तो उसके नकारात्मक कर्म धीरे-धीरे समाप्त होने लगते हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। रुद्राभिषेक केवल एक धार्मिक कर्मकांड नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और चेतना के जागरण की प्रक्रिया है। जब जल की पवित्र धारा शिवलिंग पर प्रवाहित होती है और साधक "ॐ नमः शिवाय" या रुद्रमंत्रों का उच्चारण करता है, तब यह प्रक्रिया केवल बाहरी पूजा नहीं रहती, बल्कि साधक के भीतर की अशुद्धियों को भी धो देती है।

शास्त्रों में कहा गया है कि भगवान शिव को जल अत्यंत प्रिय है, क्योंकि वे अपनी जटाओं में पवित्र गंगा को धारण करते हैं। इसी कारण शिवलिंग पर जल अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। रुद्राभिषेक का उल्लेख ऋग्वेद, यजुर्वेद और सामवेद में भी मिलता है, जिससे इसकी प्राचीनता और महत्ता सिद्ध होती है। रुद्रहृदयोपनिषद में कहा गया है कि सभी देवताओं की आत्मा में रुद्र विद्यमान हैं और रुद्र की आत्मा में सभी देवता निवास करते हैं। इसका अर्थ यह है कि शिव की पूजा करने से सभी देवताओं की पूजा का फल प्राप्त हो जाता है।

पौराणिक कथा के अनुसार रुद्राभिषेक की शुरुआत उस समय हुई जब भगवान विष्णु की नाभि से उत्पन्न कमल से ब्रह्मा जी प्रकट हुए। जब ब्रह्मा और विष्णु के बीच श्रेष्ठता को लेकर विवाद हुआ, तब भगवान शिव अनंत ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए। ब्रह्मा और विष्णु उस ज्योति का आदि और अंत नहीं खोज पाए। अंततः उन्होंने उस लिंग का अभिषेक किया और शिव की स्तुति की, जिससे शिव प्रसन्न हुए। तभी से शिवलिंग के अभिषेक की परंपरा प्रारंभ हुई।

रुद्राभिषेक किसी भी दिन किया जा सकता है, लेकिन सोमवार, प्रदोष काल, त्रयोदशी तिथि और श्रावण मास में इसका विशेष महत्व होता है। इन दिनों किया गया अभिषेक अत्यंत शीघ्र फल प्रदान करता है। जब साधक श्रद्धा, संयम और शुद्ध भावना के साथ रुद्राभिषेक करता है, तब भगवान शिव उसकी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं और उसके जीवन से कष्टों का नाश करते हैं।

रुद्राभिषेक के लिए विभिन्न प्रकार के द्रव्यों का उपयोग किया जाता है, और प्रत्येक द्रव्य का अपना विशेष महत्व और फल होता है।

UP: हर जिले में बनेंगे 'सीएम मॉडल कम्पोजिट विद्यालय'

- प्रश्नकाल के दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री ने दी जानकारी
- प्रत्येक विद्यालय पर खर्च किए जाएंगे 25 करोड़ रुपये

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में मंगलवार को बुनियादी शिक्षा, स्थानीय निकाय व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। सदन में सरकार ने परिषदीय विद्यालयों के उन्नयन से लेकर अधिकारियों की कार्यशैली तक कई मुद्दों पर अपना पक्ष रखा। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने प्रश्नकाल के दौरान जानकारी दी कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में दो 'सीएम मॉडल कम्पोजिट विद्यालय' स्थापित किए जाएंगे। प्रत्येक विद्यालय के निर्माण और विकास पर लगभग 25 करोड़ रुपये व्यय किए जाने का प्रावधान है।

भाषा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हो रहा पालन

उन्होंने बताया कि सरकार का उद्देश्य परिषदीय विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। विपक्ष की ओर से समाजवादी पार्टी के सदस्य डॉ. राकेश कुमार वर्मा द्वारा अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार कम से कम कक्षा पांच तक और यथासंभव कक्षा आठ या उससे आगे तक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा, स्थानीय भाषा अथवा क्षेत्रीय भाषा होना चाहिए। इस नीति का पालन राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा है।

अधिकारियों के फोन न उठाने का मुद्दा गरमाया

प्रश्नकाल के बाद शून्यकाल में प्रशासनिक जवाबदेही का मुद्दा जोरदार ढंग से उठा। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने आरोप लगाया कि कार्यपालिका, विधायिका की अनदेखी कर रही है और अधिकारी जनप्रतिनिधियों के फोन तक नहीं उठाते। उन्होंने कहा कि यह स्थिति लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विपरीत है।

व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का दिया सुझाव

इस बीच समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने सुझाव दिया कि विधानसभा स्तर पर एक अधिकृत व्हाट्सएप नंबर जारी किया जाए। यदि कोई अधिकारी फोन न उठाए तो संबंधित विधायक उस नंबर पर विवरण भेज सकें, जिससे विधानसभा सचिवालय के माध्यम से संबंधित अधिकारी से तत्काल जवाब-तलब किया जा सके।

पंचायत चुनाव प्रणाली पर केंद्र का अधिकार क्षेत्र

समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान ने ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव सीधे जनता द्वारा कराए जाने के संबंध में सरकार की मंशा पूछी। इस पर पंचायतीराज से जुड़े विषय पर मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यह विषय केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। राज्य सरकार स्वतंत्र रूप से इस संबंध में निर्णय नहीं ले सकती। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर वे दो बार केंद्र सरकार को पत्र लिख चुके हैं तथा संबंधित केंद्रीय मंत्री से मुलाकात भी कर चुके हैं। कानून-व्यवस्था को लेकर उठे प्रश्नों के उत्तर में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुदृढ़ है।

SIT करेगी गगल एयरपोर्ट जमीन खरीद की जांच

- विधानसभा में गूंजा भूमि सौदों में अनियमितता का प्रकरण
- गगरेट क्षेत्र में भी कथित बेनामी जमीन में धांधली की आशंका

एजेंसी | शिमला

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में मंगलवार को भूमि सौदों से जुड़े संभावित अनियमितताओं का मुद्दा प्रमुखता से उठा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की कि कांगड़ा स्थित गगल एयरपोर्ट और ऊना जिले के गगरेट क्षेत्र में कथित बेनामी जमीन खरीद-फरोख्त के मामलों की जांच के लिए पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित की जाएगी। प्रश्नकाल के दौरान विधायक राकेश कालिया के सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में बेनामी लेन-देन, अवैध खरीद या दलाली के प्रमाण मिलते हैं तो संबंधित भूमि को जब्त किया जाएगा।

और ऐसे मामलों में किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया जाएगा।

दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। पूरक प्रश्न के दौरान राकेश कालिया ने एक पूर्व अधिकारी पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए और जांच में देरी पर चिंता जताई। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच होगी और किसी भी स्तर पर दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

धारा 118 के तहत ही बाहरी कर सकेंगे खरीदी

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश में बाहरी व्यक्तियों को भूमि खरीदने की अनुमति केवल हिमाचल प्रदेश भू-सुधार एवं भूमि अधिनियम की धारा 118 के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ही दी जाती है। उन्होंने सदन के सदस्यों से अपील की कि यदि किसी के पास संबंधित दस्तावेज या साक्ष्य हों तो उन्हें एसआईटी को उपलब्ध कराया जाए ।

1460 करोड़ रुपये दिया गया मुआवजा

गगल एयरपोर्ट के प्रस्तावित विस्तार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि अब तक 4,649 प्रभावितों को 1,460 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा विधिक प्रावधानों के अनुरूप सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित किया जा चुका है।

ब्रीफ न्यूज

एआई समिट : बिहार को मिला 468 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। स्थित भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट एंड एक्सपो 2026 के दौरान बिहार पवेलियन का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और गिरिराज सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। समिट के दौरान बिहार सरकार ने आईटी और एआई क्षेत्र में कुल 468 करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इनमें एआई उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और आईआईटी पटना में रिसर्च पार्क के निर्माण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन पहलों से राज्य में एआई, सेमीकंडक्टर और आईटी सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा तथा निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

जौनपुर में कोर्ट व पुलिस लाइन को उड़ाने की धमकी

जौनपुर में दीवानी न्यायालय और पुलिस लाइन को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिला जज की आधिकारिक ईमेल आईडी पर आए संदेश में निर्धारित समय के भीतर विस्फोट की चेतावनी देते हुए धनराशि की मांग की गई थी। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर न्यायालय परिसर को खाली कराया गया। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया तथा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। प्रशासन ने एहतियातन सभी न्यायिक कार्यवाही रोक दी है। फिलहाल कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है और पुलिस ईमेल के स्रोत की जांच में जुटी है।

छात्रों से भरी बस हादसे का शिकार, दो शिक्षकों की मौत

कैमूर। बिहार के डेहरी ऑन सोन के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-319 पर छात्रों को लेकर पटना जा रही एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में दो शिक्षकों की मौत हो गई, जबकि पांच शिक्षक और 11 छात्र घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार बस कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र स्थित मध्य विद्यालय बढौना के छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण पर लेकर जा रही थी। देर रात हुए इस हादसे में शिक्षक पुनीत कुमार और सुमित कुमार की जान चली गई। घायलों को इलाज के लिए सासाराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषदः 8,033 परीक्षा केंद्रों पर बोर्ड परीक्षाएं आज से

मिलेंगी A-4 साइज की रंगीन कापियां

- 18 फरवरी से प्रारंभ हो रही है यूपी बोर्ड की परीक्षाएं
- सुबह साढ़े आठ तो दोपहर दो बजे से शुरू होगा एग्जाम

एजेंसी | प्रयागराज

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाएं 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च 2026 तक संचालित होंगी। इस वर्ष प्रदेशभर में 8,033 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां कुल 53,37,778 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

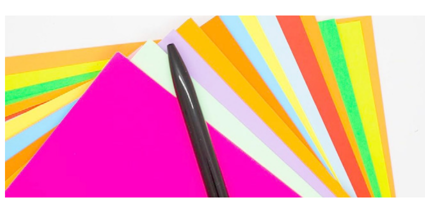

222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील केंद्र

कुल 8,033 केंद्रों में से 222 को अति संवेदनशील और 683 को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। 18 जनपदों को विशेष रूप से संवेदनशील घोषित कर अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। इन केंद्रों पर पुलिस निगरानी बढ़ाई गई है तथा अति संवेदनशील केंद्रों का प्रतिदिन दो बार निरीक्षण अनिवार्य किया गया है। संवेदनशील जनपदों और केंद्रों की सूची उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स और एलआईयू को भी सौंपी गई है।

ससुराल में दामाद की पीट-पीटकर हत्या

- प्रेम विवाह से नाराज चल रहा था ससुराल पक्ष
- सूचना पर पहुंची पुलिस ने चार को हिरासत में लिया

एजेंसी | लखनऊ

राजधानी लखनऊ में रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। काकोरी थाना क्षेत्र में ससुराल आए युवक की कथित रूप से ससुराल पक्ष के लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह विवाद प्रेम विवाह से उपजी नाराजगी का परिणाम था।

दामाद के भाई पर किया गया हमला

काकोरी क्षेत्र के लालताखेड़ा गांव के बाहरी हिस्से में स्थित एक बाग में रविवार को दो सगे भाइयों पर हमला किए जाने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने फॉरेंसिक विशेषज्ञों के साथ साक्ष्य संकलन किया और दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। इलाज के दौरान 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसका भाई गंभीर रूप से घायल है और उसका उपचार जारी है।

गांव के बाहर बैठी पंचायत में बिगड़ी बात

रविवार को रामसागर अपने भाई राहुल के साथ पत्नी को विदा कराने ससुराल पहुंचा था। गांव के बाहर बातचीत के दौरान विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि कामिनी के पिता भीमा गौतम, उसके पुत्र सुमित और अमित तथा रिश्तेदार पंकज ने दोनों भाइयों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान चाकू से किए गए हमले में रामसागर गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे राहुल को भी पीटा गया। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए।

दूसरी शादी की चल रही थी तैयारी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतक की पहचान पीलीभीत जिले के निवासी रामसागर के रूप में हुई है। घायल भाई राहुल ने अपनी तहरीर में बताया कि रामसागर ने दिसंबर 2024 में काकोरी के लालताखेड़ा गांव की रहने वाली कामिनी से प्रेम विवाह किया था। विवाह के बाद कुछ समय तक दंपति साथ रहे, लेकिन बाद में युवती के परिजन उसे अपने मायके ले गए। आरोप है कि परिवार के लोग उसकी दूसरी जगह शादी तय करने की तैयारी में थे, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई थी।

व्यापार जगत

IT और बैंकिंग शेयर्स ने संभाली कमान

लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू इक्विटी बाजार ने सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन भी मजबूती दिखाई और प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। निवेशकों की खरीदारी खासकर बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और पूंजीगत वस्तुओं से जुड़ी कंपनियों में केंद्रित रही, जिससे बाजार में सकारात्मक रुझान बना रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 173.81 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की बढ़त के साथ 83,450.96 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 83,598 के उच्चतम और 82,987.43 के न्यूनतम स्तर तक गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 42.65 अंक (0.17 प्रतिशत) चढ़कर 25,725.40 पर बंद हुआ। उल्लेखनीय है कि इससे पहले सोमवार को भी बाजार में जोरदार तेजी रही थी। उस दिन सेंसेक्स 650.39 अंक उछलकर 83,277.15 और निफ्टी 211.65 अंक बढ़कर 25,682.75 पर बंद हुआ था। लगातार दूसरे दिन की मजबूती से निवेशकों का भरोसा बना हुआ दिखाई दे रहा है।

एशियाई बाजारों का मिश्रित रुख

एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहा। जापान का निक्केई नुकसान में रहा, जबकि चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार अवकाश के कारण बंद थे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी दर्ज की गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.79 प्रतिशत गिरकर 68.13 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एशियाई बाजारों का मिश्रित रुख

एशियाई बाजारों में मिश्रित रुख रहा। जापान का निक्केई नुकसान में रहा, जबकि चीन, हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार अवकाश के कारण बंद थे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी दर्ज की गई। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.79 प्रतिशत गिरकर 68.13 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

भारत में AI पर 100 अरब डॉलर निवेश

अडाणी समूह का बड़ा दांव: 2035 तक बनाएंगे एआई आधारित डेटा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत के अग्रणी औद्योगकि समूह अडाणी समूह ने कृत्रमि बुद्धमित्ता (एआई) अवसंरचना क्षेत्र में वैश्वकि स्तर की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। समूह वर्ष 2035 तक नवीकरणीय ऊर्जा से संचालति अत्याधुनकि एआई-सक्षम डेटा केंद्र वकिसति करने के लिए 100 अरब अमेरकिी डॉलर (लगभग 9 लाख करोड़ रुपये) का नविेश करेगा।

हरित ऊर्जा स्रोतों से होगा संचालित

समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज के अनुसार, इस परियोजना के माध्यम से देश में उच्च क्षमता वाले डेटा सेंटर नेटवर्क का निर्माण किया जाएगा, जो हरित ऊर्जा स्रोतों से संचालित होंगे। अनुमान है कि इस पहल के परिणामस्वरूप 'सर्वर' निर्माण, क्लाउड प्लेटफॉर्म और सहायक उद्योगों में अतिरिक्त 150 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित होगा।

एआई में अग्रणी देश बनेगा भारत

उन्होंने कहा कि अडाणी समूह अपनी हरित ऊर्जा और डेटा सेंटर क्षमताओं को आधार बनाकर भारत की तकनीकी संप्रभुता को सुदृढ़ करने की दिशा में पांच-स्तरीय एआई ढांचे का विस्तार कर रहा है। उनका दावा है कि एआई युग में भारत केवल उपभोक्ता की भूमिका में नहीं रहेगा, बल्कि नवाचार, विकास और निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दौर में

समग्र रूप से भारत में लगभग 250 अरब डॉलर का एआई अवसंरचना इकोसिस्टम विकसित होने की संभावना जताई गई है। समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने कहा कि विश्व एक नई 'बुद्धिमत्ता क्रांति' के दौर में प्रवेश कर रहा है, जो पूर्ववर्ती औद्योगिक क्रांतियों से अधिक प्रभावशाली होगी। उनके अनुसार, आने वाले समय में वही राष्ट्र अग्रणी भूमिका निभाएंगे जो ऊर्जा और कंप्यूटिंग क्षमता के बीच प्रभावी तालमेल स्थापित कर पाएंगे।

नए लुक में दिखेगा Lay's चिप्स का पैकेट

- वैश्विक रीब्रांडिंग अभियान के तहत भारत में नई पैकेजिंग लांच

नई दिल्ली। स्नैक फूड क्षेत्र की दिग्गज कंपनी PepsiCo अपने लोकप्रिय आलू चिप्स ब्रांड Lay's को भारत में नई ब्रांड पहचान के साथ पेश करने जा रही है। मार्च के पहले सप्ताह से उपभोक्ताओं को 'लेज' नए लोगो और ताजगी भरे पैकेजिंग डिज़ाइन में बाजार में उपलब्ध होगा। कंपनी के मुताबिक यह बदलाव केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि लगभग सौ वर्षों के ब्रांड इतिहास में यह सबसे बड़ा वैश्विक रीब्रांडिंग अभियान है। इसके तहत दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में एकसमान दृश्य पहचान लागू की जा रही है, ताकि ब्रांड की अंतरराष्ट्रीय छवि को और अधिक संगठित व प्रभावशाली बनाया जा सके।

'लेज के लिए कुछ भी'

भारत में इस नई पैकेजिंग को प्रचारित करने के लिए कंपनी ने 'लेज के लिए कुछ भी' शीर्षक से नया विज्ञापन अभियान शुरू किया है। इस अभियान का चेहरा अभिनेता Ranbir Kapoor हैं, जो ब्रांड एंबेसडर के रूप में स्क्रीन पर नजर आएंगे। कंपनी का उद्देश्य युवा उपभोक्ताओं से भावनात्मक जुड़ाव मजबूत करना और ब्रांड की ताजगी को नए अंदाज़ में प्रस्तुत करना है।

23 फरवरी से खुलेगा क्लीन मैक्स एनवायरो का 3,100 करोड़ का आईपीओ

- 1,000—1,053 रूपए प्राइस बैंड तय, ग्रे मार्केट में 32 रुपए प्रीमियम

मुंबई। रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस का आईपीओ 23 फरवरी 2026 से निवेश के लिए खुलेगा। कंपनी ने प्रति शेयर 1,000 से 1,053 रूपएका प्राइस बैंड तय किया है। कुल 3,100 करोड़ के इस सार्वजनिक निर्गम में 1,200 करोड़ का फ्रेश इश्यू और 1,900 करोड़ रूपए का ऑफर फॉर सेल (OFS) शामिल है।

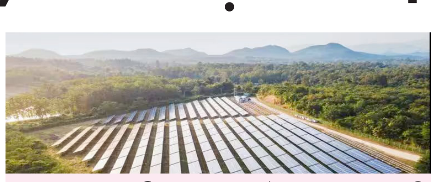

25 फरवरी तक आवेदन, 2 मार्च को संभावित लिस्टिंग

इश्यू 25 फरवरी तक खुला रहेगा, जबकि एंकर निवेशकों के लिए बोली 20 फरवरी को आमंत्रित की जाएगी। शेयर आवंटन 26 फरवरी तक अंतिम रूप ले सकता है। कंपनी के शेयरों की संभावित लिस्टिंग 2 मार्च 2026 को National Stock Exchange of India और BSE Limited पर हो सकती है।

वित्तीय स्थिति में सुधार

वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का राजस्व 7.6 प्रतिशत बढ़कर 1,495.7 करोड़ रूपएरहा। EBITDA 37 प्रतिशत उछलकर 1,015 करोड़ रूपए पहुंच गया। कंपनी ने पिछले वर्ष के नुकसान से उबरते हुए 19.42 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया। 31 जुलाई 2025 तक कंपनी के पास 2.54 गीगावॉट की परिचालन क्षमता और 2.53 गीगावॉट की निर्माणाधीन क्षमता है।

सराफा बाजारः दबाव में सोना और चांदी

- घरेलू और वैश्विक बाजारों में दाम फिसले

नई दिल्ली। कीमती धातुओं के बाजार में मंगलवार को कमजोरी का रुख देखने को मिला। खुदरा सर्राफा कारोबार के साथ-साथ वायदा और कमोडिटी सेगमेंट में भी सोना और चांदी दबाव में रहे। एशियाई बाजारों में लूनर न्यू ईयर अवकाश के कारण ट्रेडिंग गतिविधियां सीमित रहीं, जिससे मांग घटने का असर कीमतों पर दिखाई दिया। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर की मजबूती ने भी बुलियन कीमतों को नीचे खींचा।

घरेलू वायदा बाजार

Multi Commodity Exchange (एमसीएक्स) पर दोपहर लगभग 12 बजे चांदी 7,491 रुपये यानी 3.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,32,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसी दौरान सोना 2,760 रुपये (1.77 प्रतिशत) टूटकर 1,52,024 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया।

भारत से पिछली हार का बदला लेने उतरेगी नीदरलैंड

एजेंसी | अहमदाबाद

टी-20 विश्व कप 2026 का 36वां मुकाबला बुधवार को भारतीय क्रिकेट टीम और नीदरलैंड क्रिकेट टीम के बीच खेला जाएगा। भारत के लिए यह मुकाबला एक अभ्यास की तरह होगा क्योंकि वह सुपर-8 में पहले जगह बना चुकी है। वह बेखौफ खेल का प्रदर्शन करना चाहेगी। नीदरलैंड टीम इस मैच में जीत दर्ज करते हुए भारत को चौंकाने का प्रयास करेगी। इससे मैच के रोमांचक होने की उम्मीद है।

नीदरलैंड के खिलाफ भारत ने जीता है एकमात्र मैच

टी-20 प्रारूप में अब तक दोनों टीमों के बीच केवल एक मैच खेला गया है, जिसमें भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। यह मुकाबला टी-20 विश्व कप 2022 में सिडनी में खेला गया था। उसमें भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 179/2 का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में नीदरलैंड टीम 9 विकेट के नुकसान पर 123 रन ही बना सकी थी। ऐसे में नीदरलैंड इस बार उस हार का हिसाब चुकता करने का प्रयास करेगी।

भारत की प्लेइंग इलेवन में नजर आ सकते हैं बदलाव

भारत के सुपर-8 में पहुंचने के कारण इस मैच में उसकी प्लेइंग इलेवन में कई बदलाव नजर आ सकते हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया जा सकता है। हालांकि, टीम के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की उम्मीद कम ही नजर आ रही है।

भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन: अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर और मोहम्मद सिराज।

इस संयोजन के साथ उतर सकती है नीदरलैंड की टीम

नीदरलैंड को अपने आखिरी मुकाबले में USA क्रिकेट टीम के खिलाफ 93 रनों से हार मिली थी। ऐसे में माइकल लेविट और मैक्स ओडाउड की सलामी जोड़ी टीम को अच्छी शुरुआत देना चाहेगी। बास डी लीडे पर मध्य क्रम को मजबूती देने की जिम्मेदारी होगी।

नीदरलैंड की संभावित एकादश: माइकल लेविट, मैक्स ओडाउड, बास डी लीडे, कॉलिन एकरमैन, स्कॉट एडवर्ड्स (विकेटकीपर/कप्तान), जैक लायन कैशे, लोगन वान बीक, आर्यन दत्त, रूएलॉफ वैन डर मर्वे, फ्रेड क्लासेन और काइल क्लेन।

कैसा रहता है नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच का मिजाज?

नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में काली और लाल मिट्टी की अलग-अलग पिचें हैं। लाल मिट्टी की पिचें काली मिट्टी की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक सहायता प्रदान करती हैं। यहां बल्लेबाजों को आमतौर पर रन बनाना आसान रहता है। हालांकि, शुरुआती कुछ ओवर चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। काली मिट्टी की पिच पर उछाल सामान्य होता है, लेकिन स्पिनरों को ज्यादा मदद मिलती है। विश्व कप को देखते हुए यहां रनों से भरी हुई पिच पर मैच हो सकता है। सूर्यकुमार ने पिछले 10 मुकाबलों में 55.29 की औसत से 387 रन बनाए हैं। ईशान के बल्ले से 6 मुकाबलों में 53.29 की औसत से 373 रन निकले हैं। नीदरलैंड से ओडाउड ने पिछले 10 मुकाबलों में 260 रन बनाए हैं। कप्तान एडवर्ड के बल्ले से 10 मैचों में 242 रन निकले हैं।

कैसा रहेगा अहमदाबाद का मौसम?

एक्यूवेदर के अनुसार, 18 फरवरी को अहमदाबाद का मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। यहां अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान के 19 डिग्री रहने का अनुमान है। बारिश की कोई उम्मीद नहीं है। दर्शकों को एक अच्छा मैच देखने मिल सकता है।

न्यूजीलैंड ने कनाडा को हराते हुए सुपर-8 में किया प्रवेश

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 के 31वें मैच में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने कनाडा क्रिकेट टीम को 8 विकेट से हराते हुए सुपर-8 में प्रवेश किया। कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 173/4 का स्कोर बनाया, जिसमें युवराज सामरा का शतक (110) शामिल रहा। जवाब में न्यूजीलैंड ने ग्लेन फिलिप्स (76) और रचिन रविंद्र (59) की पारियों की मदद से 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया।

कनाडा से पारी की शुरुआत करने आए सामरा ने शतक लगाया। टीम के कप्तान दिलप्रीत बाजवा ने 36 रन की पारी खेलते हुए टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में न्यूजीलैंड को टिम साइफर्ट के रूप में पहला झटका। विकेटकीपर बल्लेबाज साइफर्ट सिर्फ 6 रन बनाकर आउट हुए। फिन एलन (21) भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद रचिन और फिलिप्स ने टीम को आसानी से जीत दिलाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कनाडा को सामरा और कप्तान दिलप्रीत बाजवा (36) की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 84 गेंदों में 116 रन की साझेदारी निभाई। इस दौरान सामरा ने 36 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और फिर उसके बाद तेजी से बल्लेबाजी करते हुए उसे शतक में तब्दील कर दिया। वह 65 गेंदों में 11 चौके और 6 छक्कों की मदद से 110 रन बनाकर आउट हुए।

दक्षिण अफ्रीका और यूएई के बीच होगी पहली टक्कर

ब्रेविस पर होगी निगाह

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 के 34वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम का सामना UAE क्रिकेट टीम से होगा। यह मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। अब तक टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में दोनों टीमों के बीच कोई मुकाबला नहीं खेला गया है। ऐसे में दोनों टीमें एक-दूसरे को चुनौती देना चाहेगी। इस विश्व कप में प्रोटियाज टीम अपने तीनों मुकाबले जीतकर सुबर-8 में जगह बना चुकी है, जबकि UAE केवल एक जीत मिली है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ कप्तान एडेन मार्करम ने नाबाद 86 रन की पारी खेलकर एकतरफा जीत दिलाई थी। वह उसी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेंगे। क्विंटन डिकॉक से भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी।

इस संयोजन के साथ उतर सकती है यूएई की टीम

यूएई को पिछले मैच में अफगानिस्तान से हार मिली थी। सोहेब खान ने 48 गेंदों में 68 रन बनाए थे। ऐसे में वह एक और बेजोड़ पारी खेलना चाहेंगे। 40 रन बनाने वाले अलीशान शराफू से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी। जुनैद सिद्दीकी से गेंदबाजी में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

संभावित एकादश: आर्यांश शर्मा (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, सोहेब खान, सैयद हैदर, हर्षित कौशिक, मोहम्मद अरफान, हैदर अली, जुनैद सिद्दीकी, समरजीत सिंह और मोहम्मद जवादुल्लाह।

ऐसी रहेगी अरुण जेटली स्टेडियम की पिच

ये मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। वहां की पिच बल्लेबाजों को काफी रास आती है। तेज आउटफील्ड और छोटी सीमाएं बल्लेबाजों को तेजी से रन बनाने की प्रेरित करती हैं। तेज गेंदबाजों को यहां ज्यादा मदद नहीं मिलती। ऐसे में उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। स्पिनरों को पिच से मदद मिलती है और उनका रिकॉर्ड भी यहां अच्छा रहता है। इस स्टेडियम की पिच काली मिट्टी से बनी है, जो काफी कठोर और सपाट है।

इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी नजरें

दक्षिण अफ्रीका के डिकॉक ने पिछले 9 मैचों में 403 रन बनाए हैं। मार्करम ने पिछले 10 मैचों में 363 रन अपने नाम किए हैं। UAE से अलीशान ने पिछले 10 मैचों में 352 रन बनाए हैं। वसीम 9 मैचों 197 रन बनाने में सफल रहे हैं। एनगिडी ने 8 मैचों में 15 विकेट अपने नाम किए हैं।

पाकिस्तान के लिए करो या मरो का मुकाबला

नामीबिया पर हर हाल में दर्ज करनी होगी जीत

कोलंबो। कोलंबो में खेले जाने वाले टी20 विश्व कप मुकाबले में पाकिस्तान की स्थिति बेहद नाजुक हो गई है। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से मिली करारी हार के बाद टीम का अभियान संकट में है। अब नामीबिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला उसके लिए 'करो या मरो' जैसा बन चुका है। हार की स्थिति में पाकिस्तान का टूर्नामेंट से बाहर होना तय माना जा रहा है। एक समय पाकिस्तान सुपर आठ में जगह बनाने की मजबूत दावेदार दिख रही थी, लेकिन भारत से मिली शिकस्त ने पूरी स्थिति बदल दी। इस हार ने टीम का आत्मविश्वास भी प्रभावित किया है। अब ग्रुप ए के अंतिम मैच में उसे हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

ग्रुप ए की अंक तालिका का समीकरण

ग्रुप ए से केवल शीर्ष दो टीमें ही सुपर आठ में पहुंचेंगी। भारत ने लगातार तीन जीत के साथ पहले ही क्वालीफाई कर लिया है। अमेरिका चार अंकों और बेहतर रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर खिसक गया है। ऐसे में उसके लिए अब कोई चूक की गुंजाइश नहीं बची है।

नामीबिया से हार की आशंका?

कागजों पर नामीबिया से हार असंभव लग सकती है, लेकिन पाकिस्तान की अस्थिर बल्लेबाजी को देखते हुए खतरे से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि पाकिस्तान यह मुकाबला हारता है तो अमेरिका सुपर आठ में अपनी जगह लगभग पक्की कर लेगा।

बल्लेबाजी पर टिकी उम्मीदें

नामीबिया अपने तीनों मैच हारकर ग्रुप में सबसे नीचे है, लेकिन पाकिस्तान की चिंता उसकी खुद की बल्लेबाजी है। बाबर आजम, साहिबजादा फरहान, साइम अयूब और कप्तान सलमान अली आगा जैसे खिलाड़ियों पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। भारत के खिलाफ शीर्ष क्रम की विफलता ने टीम की कमजोरी उजागर कर दी थी।

भारत के तेज गेंदबाजों ने शुरुआती झटके देकर पाकिस्तान को बैकफुट पर धकेल दिया था।

बारिश की भेंट चढ़ा जिम्बाब्वे-आयरलैंड मैच

कैंडी। जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम और आयरलैंड क्रिकेट टीम के बीच होने वाला टी -20 विश्व कप 2026 का 32वां मैच बारिश की भेंट चढ़ गया। कैंडी में निरंतर बारिश के चलते इस मैच का टॉस भी संभव नहीं हो सका। इस मैच के रद्द होने के साथ ही ग्रुप-B से जिम्बाब्वे ने सुपर-8 में प्रवेश किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया की टीम अगले दौर में जगह नहीं बना सकी। ऑस्ट्रेलिया ने अपने शुरुआती 3 मुकाबलों में से सिर्फ एक मैच जीता है। जिम्बाब्वे सुपर-8 का टिकट पाने वाली 7वीं टीम बन गई। इसका मतलब यह भी है कि ऑस्ट्रेलिया और आयरलैंड दोनों के लिए यह सफर खत्म हो गया है।जिम्बाब्वे की टीम सुपर-8 G1 में भारत, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के साथ मुकाबला करेगी। इन टीमों के सभी मैच भारत में ही खेले जाएंगे।

बॉलीवुड

लहजे से नहीं, लगन से बनती है पहचान : मृणाल ठाकुर

@लोकेश चंद्रा

रोशनी से भरे इस दौर में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जो सिर्फ पर्दे पर नहीं, दिलों में बस जाते हैं। मृणाल ठाकुर उन्हीं में से एक हैं, जिनकी आंखों में सपनों की चमक है और मुस्कान में संघर्ष की कहानी। छोटे पर्दे की सादगी भरी शुरुआत से लेकर बड़े परदे की दमदार मौजूदगी तक, उनका हर कदम जुनून और आत्मविश्वास की मिसाल रहा है। टीवी शो 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' और 'कुमकुम भाग्य' से पहचान बनाने वाली मृणाल ने जब फिल्मों की दुनिया में कदम रखा, तो संवेदनशील फिल्म 'लव सोनिया' से अपने अभिनय की गहराई का एहसास कराया। इसके बाद 'सुपर 30', 'बटला हाउस', 'तूफान' और 'जर्सी' में उनकी मौजूदगी ने साबित किया कि वह सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं, बल्कि हर किरदार को जीने वाली कलाकार हैं। साउथ सिनेमा में 'सीता रामम' और हाय नन्ना ने उन्हें पैन-इंडिया पहचान दिलाई। अब प्यार के इस खास मौसम में वह अपनी नई फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए एक बार फिर भावनाओं की नई दास्तां लेकर आ रही हैं। 20 फरवरी 2026 को रिलीज हो रही इस फिल्म के मौके पर उन्होंने 'हिन्दुस्थान समाचार' से अपने सफर, संघर्ष और सपनों पर दिल खोलकर बात की।

Q करियर की शुरुआत में क्या आपको रास्ता अनिश्चित या जोखिम भरा लगा? उस दौर में आपने खुद को कैसे संभाला?

मृणाल ठाकुर : हाँ, बिल्कुल। बचपन से ही मेरे भीतर एक झिझक थी। कई बार क्लास में जवाब पता होने के बावजूद मैं हाथ उठाने की हिम्मत नहीं जुटा पाती थी। मुझे अपनी अंग्रेज़ी को लेकर हीन भावना होती थी, क्योंकि उसमें मराठी लहजा साफ झलकता था। इतना ही नहीं, मेरा नाम 'मृणाल' लड़कों जैसा लगता है, इस वजह से स्कूल में बच्चे मुझे चिढ़ाते भी थे। फिल्म इंडस्ट्री में आने के बाद भी यह असुरक्षा मेरे साथ रही। मुझे लगता था कि मुझे और धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलनी चाहिए, मेरे उच्चारण में मराठी लहजा कम होना चाहिए। लेकिन समय के साथ समझ आया कि हमारी असुरक्षाएँ तभी बड़ी बनती हैं, जब हम उन्हें खुद बड़ा बना देते हैं। आज मैं अपने व्यक्तित्व और अपनी जड़ों के साथ पूरी तरह सहज और संतुष्ट हूँ। जहां तक फिल्म 'दो दीवाने सहर में' की बात है, इसमें मेरा किरदार 'रोशनी' मेरे व्यक्तित्व का करीब साठ प्रतिशत हिस्सा दर्शाता है। बाकी चालीस प्रतिशत उसकी अपनी यात्रा और रचनात्मक निर्माण से आता है। यह कहानी दो लोगों के एक-दूसरे की कमियों को समझने, स्वीकारने और उन्हें खूबसूरती में बदल देने की है। हमने एक नरम, सादगी भरी प्रेम कहानी पेश करने की कोशिश की है, ऐसी कहानी जो आज के सोशल मीडिया के शोर में खोती जा रही सच्ची भावनाओं को फिर से जगाने का एक ईमानदार प्रयास है।

Q ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के पीछे ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग कितनी अहम रही?

मृणाल ठाकुर : हमारा रिश्ता सिर्फ को-एक्टर्स वाला नहीं रहा, बल्कि सच में दोस्ती में बदल गया। हम एक-दूसरे की परवाह करते हैं, कभी हल्की-फुल्की नोकझोंक भी हो जाती है, मज़ाक-मस्ती भी होती है, लेकिन अंत में दिल से जुड़े रहते हैं। मेरे लिए सबसे खास बात उनकी काम के प्रति ईमानदारी है। मैंने कई कलाकारों को लोकप्रियता की चकाचौंध में खोते देखा है, लेकिन सिद्धांत जमीन से जुड़े इंसान हैं। सेट पर उनकी सादगी और फोकस साफ नजर आता था। वह हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते हैं, ताकि दर्शक सिर्फ किरदार ही नहीं, बल्कि उनके भीतर की सच्चाई भी महसूस कर सकें। ऐसे समर्पित सह-कलाकार के साथ काम करना किसी सौभाग्य से कम नहीं। पूरा अनुभव बेहद यादगार रहा।

शूट के दौरान हमने मुंबई को साथ जिया, मैं उन्हें स्कूटर पर कॉलेज तक ले जाती थी, ठीक वैसे ही जैसे फिल्म में दिखाया गया है। छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से चर्चगेट तक का सफर, के.सी. कॉलेज का कैंपस और एशियाटिक लाइब्रेरी की सीढ़ियों पर फिल्माया गया क्लाइमेक्स, ये सब मेरे लिए बेहद खास रहा। मुंबई मेरे लिए सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि घर जैसा एहसास है। कुछ दिनों के लिए बाहर जाऊं तो भी मन यहीं लौटने को बेताब रहता है।

Q क्या आपके 'लुक' को लेकर कभी कोई अलग अनुभव रहा है?

मृणाल ठाकुर : जी हां, मेरे साथ ऐसा हुआ है। मेरी पहली फिल्म 'लव सोनिया' के दौरान मेरा ऑडिशन एक ऐसे फोल्डर में रखा गया था जिस पर लिखा था 'खोलना मना है।' लेकिन निर्देशक तबरेज नूरानी ने वह फाइल खोली, ऑडिशन देखा और मुझसे मुलाकात की। बातचीत के बाद उन्हें भरोसा हुआ कि मैं 'सोनिया: का किरदार निभा सकती हूं। यह किरदार एक गांव की साधारण लड़की का था, इसलिए मुझे टीम को समझाना पड़ा कि सादगी वाला लुक मेकअप और तकनीक से हासिल किया जा सकता है। लोग अक्सर सोचते हैं कि खूबसूरती और सफलता सब कुछ आसान बना देती है, लेकिन सच्चाई यह है कि हर किसी का अपना संघर्ष होता है। शोहरत के पीछे भी कई त्याग छिपे होते हैं।

Q आपने हिंदी और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम किया है। काम करने के तरीके में क्या अंतर महसूस हुआ?

मृणाल ठाकुर : मेरे अनुभव में सबसे बड़ा अंतर भाषा का है। बाकी जहां तक मेहनत, प्रोफेशनलिज़्म और समर्पण की बात है, वो दोनों इंडस्ट्री में समान है। संस्कृति और खान-पान बदल जाता है, यहां वड़ापाव और कंदा-पोहा, तो वहां इडली-वड़ा और सांभर, लेकिन काम के प्रति जुनून हर जगह एक जैसा है। मुंबई में अक्सर शूटिंग का शेड्यूल काफी टाइट और दबाव भरा होता है। उदाहरण के तौर पर, हमने अपनी एक फिल्म सिर्फ 38 दिनों में पूरी की, जबकि 'डकैत' की शूटिंग में करीब 75 दिन लगे और उससे पहले की एक फिल्म को लगभग 120 दिन मिले। इसलिए स्पीड, प्लानिंग और वर्किंग स्टाइल निर्देशक और प्रोडक्शन पर निर्भर करता है। आखिर में, दोनों इंडस्ट्री की असली ताकत उनके दर्शक हैं। हिंदी हो या साउथ सिनेमा, मुझे हर जगह से भरपूर प्यार मिला है। एक कलाकार के लिए इससे बड़ी खुशी क्या हो सकती है।

Q फिल्म के टाइटल में 'सहर' शब्द का क्या अर्थ है?

मृणाल ठाकुर : उन्होंने कहा, 'सहर' का मतलब होता है भोर, अंधेरे को चीरती हुई रोशनी की पहली किरण। इस शब्द में एक सादगी है, एक देसीपन है, जो हमारी कहानी की आत्मा से जुड़ता है। इसमें उम्मीद है, नई शुरुआत है और एक कोमल भावनात्मक स्पर्श भी। पुराने गीत 'दो दीवाने शहर में' से जो शहर, सपनों और प्रेम का एहसास जुड़ा है, वही संवेदना हमारे टाइटल में भी छिपी है। बस हमने उसे थोड़ा अपना रंग दिया है। दिलचस्प बात यह है कि इस टाइटल का सुझाव संजय लीला भंसाली सर ने दिया था। इसके पीछे एक खूबसूरत सोच भी है। फिल्म में शशांक 'श' का सही उच्चारण नहीं कर पाता और 'शहर' की जगह 'सहर' बोलता है। यह केवल एक उच्चारण की गलती नहीं, बल्कि कहानी का एक मासूम और प्यारा पहलू है। इस तरह 'सहर' सिर्फ एक शहर का नाम नहीं, बल्कि नई सुबह, उम्मीद और प्रेम की शुरुआत का प्रतीक बन जाता है।

मोहित रैना और प्रियामणि का अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में बड़ा कदम

टीवी शो 'देवों के देव महादेव' से लोकप्रिय हुए अभिनेता मोहित रैना अब एक नई इंडो-हॉलीवुड फीचर फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म का निर्माण हर्ष महादेश्वर कर रहे हैं और इसमें उनके साथ राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री प्रियामणि अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। प्रियामणि हाल ही में 'जवान' और वेब सीरीज 'द फेमिली मैन' में अपनी दमदार अदाकारी के लिए सराही गई थीं। बताया जा रहा है कि यह फिल्म एक सच्ची घटना से प्रेरित है, हालांकि इसका शीर्षक अभी तय नहीं किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह परियोजना अमेरिकी प्रोडक्शन कंपनी रेड बिसन प्रोडक्शंस और मुंबई स्थित एज़्योर एंटरटेनमेंट के बीच रचनात्मक सहयोग का परिणाम है। फिल्म की कहानी एक अप्रवासी परिवार की भावनात्मक और सांस्कृतिक यात्रा पर आधारित है, जो अमेरिका में अपनी पहचान और अपनेपन की तलाश में संघर्ष करता है। इसमें पारिवारिक मूल्यों, जड़ों से जुड़ाव और नए परिवेश में सामंजस्य जैसे विषयों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

बांग्लादेश में 'बेगमों की जंग' का अंत

तारिक रहमान बने मुल्क के मुखिया

▶▶ प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, 25 मंत्री और 24 राज्य मंत्री बनाए

▶▶ ओम बिरला ने बांग्लादेश के नए पीएम तारिक रहमान से की मुलाकात

एजेंसी | ढाका

पड़ोसी देश बांग्लादेश में मंगलवार को एक नए युग की शुरुआत हुई। 17 साल का वनवास काटकर लौटे तारिक रहमान ने देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। यह पल बांग्लादेश के इतिहास के लिए बेहद खास है, क्योंकि दशकों बाद वहां की राजनीति से 'बेगमों' (शेख हसीना और खालिदा जिया) का दबदबा खत्म हुआ है। ढाका के 'जातीय संसद भवन' के साउथ प्लाजा में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने तारिक रहमान को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण से पहले ही बीएनपी (BNP) संसदीय दल ने उन्हें अपना नेता चुन लिया था।

35 साल बाद मिला 'पुरुष प्रधानमंत्री'

बांग्लादेश के राजनीतिक इतिहास में यह एक बड़ा बदलाव है। पिछले 35 सालों से बांग्लादेश की सत्ता या तो शेख हसीना के पास थी या तारिक रहमान की मां खालिदा जिया के पास। तारिक रहमान 35 साल में बांग्लादेश के पहले पुरुष प्रधानमंत्री बने हैं। वे पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान और पूर्व पीएम खालिदा जिया के बेटे हैं।

चुनाव में मिली 'बंपर' जीत

12 फरवरी को हुए आम चुनावों में तारिक रहमान की पार्टी BNP ने एकतरफा जीत हासिल की है। कुल 300 सीटों वाली संसद में BNP ने अकेले 151 से ज्यादा सीटें जीतीं। बीएनपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कुल 212 सीटों पर कब्जा जमाया। तारिक रहमान अब अगले 5 साल तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करेंगे।

भारत की ओर से ओम बिरला हुए शामिल

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को ढाका में नई बांग्लादेश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के बाद नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात की। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके दी। बिरला ने एक्स पर लिखा कि नई बांग्लादेश सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होकर खुशी हुई। भारत हमेशा बांग्लादेश के लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी राष्ट्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए तैयार है। मुलाकात के दौरान, बिरला ने रहमान को पद ग्रहण की बधाई दी और उन्हें भारत आने का निमंत्रण भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से भेजे गया पत्र भी तारिक रहमान को सौंपा।

तारिक रहमान की नई कैबिनेट

तारिक रहमान की नई कैबिनेट में 25 मंत्रियों को शामिल किया गया है, जिसमें अनुभवी नेताओं के साथ-साथ नए चेहरों और अल्पसंख्यक समुदाय को भी जगह दी गई है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अपनी कैबिनेट में संतुलन बनाने की कोशिश की है। मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को स्थानीय सरकार या किसी बड़े मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने की चर्चा है, जबकि अमीर खसरू महमूद चौधरी को फिर से वाणिज्य मंत्रालय मिल सकता है। सलाहुद्दीन अहमद का नाम गृह मंत्रालय के लिए प्रमुखता से लिया जा रहा है।

अल्पसंख्यक समुदायों को प्रतिनिधित्व

तारिक रहमान ने अपनी कैबिनेट में विविधता का संदेश देते हुए दो प्रमुख अल्पसंख्यक नेताओं को शामिल किया है। हिंदू समुदाय के वरिष्ठ वकील निताई रॉय चौधरी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है, जबकि बौद्ध चकमा समुदाय से आने वाले दीपेन दीवान को भी मंत्रिपरिषद में स्थान दिया है। तारिक ने कहा कि उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता देश में कानून-व्यवस्था की बहाली और व्यापक संवैधानिक सुधार सुनिश्चित करना होगी।

ममता ने निर्वाचन आयोग को बताया 'तुगलकी आयोग'

▶▶ मतदाता सूचियों में हेरफेर का लगाया आरोप

एजेंसी | कोलकाता

ममता बनर्जी ने निर्वाचन आयोग को 'तुगलकी आयोग' करार देते हुए राज्य की मतदाता सूचियों में व्यापक हेरफेर का आरोप लगाया। राज्य सचिवालय में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आयोग उच्चतम न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर रहा है और लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के आईटी सेल की एक महिला पदाधिकारी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर बंगाल में 58 लाख मतदाताओं के नाम हटवा दिए।

टीएमसी प्रमुख ने लगाए आरोप

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी के निर्देश पर निर्वाचन आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पश्चिम बंगाल के मतदाताओं के नाम हटा रहा है। उन्होंने कहा कि तार्किक विसंगतियों का हवाला देकर लोकतांत्रिक अधिकार छीने जा रहे हैं और आम लोगों के साथ आतंकियों जैसा व्यवहार किया जा रहा है। उनके मुताबिक भाजपा को खुश करने के लिए बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है।

निलंबित अधिकारियों का बचाव

निर्वाचन आयोग द्वारा निलंबित किए गए सात सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) का बचाव करते हुए बनर्जी ने कहा कि अगर बंगाल सरकार के अधिकारियों को निशाना बनाया गया तो राज्य सरकार उनकी पूरी रक्षा करेगी और जिन्हें पदावनत किया गया है, उन्हें पदोन्नत किया जाएगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि एसआईआर को लेकर पैदा हुई चिंता और कार्य दबाव के कारण राज्य में 160 लोगों की जान चली गई।

न्यूज़ ब्रीफ

राजनीतिक पार्टियों की चुनाव आयुक्त के साथ बैठक

गुवाहाटी। असम विधानसभा चुनाव 2026 से पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ गुवाहाटी में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य दलों के साथ विचार-विमर्श किया। अधिकारियों ने बताया कि असम की राष्ट्रीय और राज्य की राजनीतिक पार्टियो ने मंगलवार को चुनाव आयोग के साथ अपनी मीटिंग में असम विधानसभा चुनाव एक या ज्यादा से ज्यादा दो फेज में कराने की मांग की।

22 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत एक महिला नक्सली समेत 22 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार लगातार चलाए जा रहे अभियान और बढ़ते सुरक्षा दबाव के बीच इन नक्सलियों ने मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में सक्रिय सदस्य शामिल हैं, जो लंबे समय से माओवादी गतिविधियों से जुड़े थे। अधिकारियों ने बताया कि राज्य शासन की पुनर्वास नीति और पुलिस के बढ़ते प्रभाव के साथ 'पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान से प्रभावित होकर नक्सलियों ने हथियार छोड़ने का फैसला किया। जिले में नक्सल-रोधी अभियानों, नए सुरक्षा शिविरों की स्थापना और विकास कार्यों की बढ़ती पहुंच के कारण माओवादी संगठन का प्रभाव लगातार घट रहा है।

एक साल में 1,047 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त

आइजोल। मिजोरम के राज्यपाल जनरल विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) ने मंगलवार को कहा कि राज्य ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान सीमा पार तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी पर महत्वपूर्ण कार्रवाई की है, जिसमें कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने 1,047 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। सिंह ने राज्य विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत में अपने संबोधन में कहा कि राज्य पुलिस की सक्रिय गश्त और निरंतर निगरानी के कारण चालू वित्त वर्ष के दौरान मिजोरम में समग्र कानून व्यवस्था की स्थिति शांतिपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों जैसे असम राइफल्स और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के बीच समन्वित अभियान के परिणामस्वरूप अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा को सुदृढ़ किया गया, जिससे 1,047 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाओं की बरामदगी हुई।

हिमंता सरकार का चुनावी दांव

चाय बागान जनजाति को 3% आरक्षण मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

जनजातियों और आदिवासी को लाभ मिलेगा

असम मंत्रिमंडल ने मंगलवार को प्रथम और द्वितीय श्रेणी की सरकारी नौकरियों में चाय बागान जनजातियों और आदिवासी समुदायों के लिए तीन प्रतिशत आरक्षण को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि यह राज्य के सबसे हाशिए पर स्थित वर्गों में से एक के लिए सकारात्मक कार्रवाई का एक महत्वपूर्ण विस्तार है। यह फैसला असम विधानसभा परिसर में आयोजित कैबिनेट बैठक में लिया गया है। इस कदम से चाय बागान जनजातियों और आदिवासी समुदायों को अब तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों में मौजूदा कोटा के अतिरिक्त उच्चस्तरीय सरकारी सेवाओं में भी आरक्षण का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि यह निर्णय नीति-निर्माण और प्रशासनिक भूमिकाओं में चाय बागान जनजातियों और आदिवासी युवाओं के अधिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के सरकार के इरादे को दर्शाता है।

सीबीआई जांच वाली याचिका पर अब बाद में आएगा हुक्म

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पेमा खांडू के परिजनों के स्वामित्व वाली कंपनियों को सरकारी ठेके दिए जाने के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि सभी पक्ष दो सप्ताह के भीतर अपनी लिखित दलीलें दाखिल कर सकते हैं। यह याचिका गैर सरकारी संगठनों 'सेव मोन रीजन फेडरेशन' और 'वॉलंटरी अरुणाचल सेना' की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने राज्य सरकार के हालिया हलफनामे का हवाला देते हुए दावा किया कि 2015 से 2025 के बीच कई सरकारी ठेके मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़ी कंपनियों को दिए गए। उन्होंने मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा कि इसमें भ्रष्टाचार की आशंका है और राज्य पुलिस निष्पक्ष जांच करने की स्थिति में नहीं होगी। गौरतलब है कि दो दिसंबर को शीर्ष अदालत ने अरुणाचल प्रदेश सरकार को संबंधित ठेकों का विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया था।

एआई की मदद से भारतीय सेना ने नाकाम की चीनी घुसपैठ

▶▶ एआई समिट में सैन्य अधिकारी ने दी जानकारी

एजेंसी | नई दिल्ली

एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल डीएस राणा, सी-इन-सी, स्ट्रेटेजिक फोर्सेज कमांड, (इंडियन आर्मी) ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में एक बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी सेना की घुसपैठ रोकने में बड़ी भूमिका निभाई। यह घटना उस समय की है जब वह तवांग और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

सेना को मिले 19 वीरता पुरस्कार

अधिकारी ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन के लिए सेना को 19 वीरता पुरस्कार मिले। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई और भविष्यवाणी करने वाले तकनीकी उपकरण युद्ध के मैदान में बहुत असरदार साबित हो सकते हैं। यह तकनीक न केवल घुसपैठ रोकने में मदद करती है।

सैन्य अधिकारी ने क्या कहा?

अधिकारी के अनुसार, उनके पास उस समय कम क्षमता वाला एक छोटा एआई सॉफ्टवेयर था। चीन ने तवांग के पास 'यांगत्से' इलाके में घुसपैठ की कोशिश की थी। यह एक विवादित क्षेत्र है जो भारत के नियंत्रण में है। इस दौरान एआई सिस्टम ने वहां हो रही संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी। एआई की मदद से सेना यह अंदाजा लगाने में सफल रही कि चीनी सैनिक कब और किस तरफ से आगे बढ़ रहे हैं। इस सटीक जानकारी की वजह से भारतीय सेना ने अपने संसाधनों और जवानों को सही समय पर सही जगहों पर तैनात कर दिया। सेना ने समय रहते जरूरी कदम उठाए और चीन की इस बड़ी कोशिश को पूरी तरह नाकाम कर दिया। सबसे बड़ी बात यह रही कि इस पूरे ऑपरेशन में भारतीय पक्ष का कोई भी जवान हताहत नहीं हुआ।

आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत

▶▶ मरने वालों में 11 सुरक्षाकर्मी हैं और एक बच्चा

एजेंसी | पेशावर

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में आत्मघाती हमले में 11 सुरक्षाकर्मियों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक बच्ची भी शामिल है। यह हमला अफगानिस्तान सीमा से सटे क्षेत्र में स्थित एफसी जांच चौकी पर विस्फोटक से भरी गाड़ी के जरिए किया गया। सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

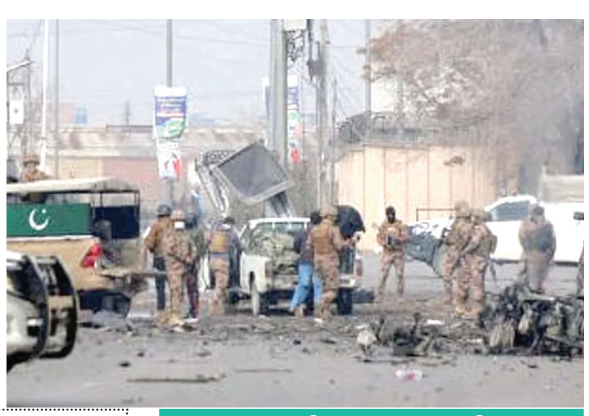

टीटीपी ने ली जिम्मेदारी

प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। सरकार टीटीपी के लिए 'फितना-अल-ख्वारिज' शब्द का इस्तेमाल करती है। आईएसपीआर के मुताबिक सुरक्षा बलों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की संयुक्त चौकी को निशाना बनाते हुए आतंकियों ने विस्फोटक वाहन सुरक्षा घेरा की दीवार से टकरा दिया, जिससे इमारत ढह गई। जवाबी कार्रवाई में 12 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

तलाशी अभियान जारी

धमाके के असर से आसपास की रिहायशी इमारतें भी प्रभावित हुईं, जिसमें एक बच्ची की मौत हो गई और महिलाओं व बच्चों समेत सात अन्य लोग घायल हुए हैं। क्षेत्र में छिपे अन्य आतंकियों के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने कहा है कि देश से विदेश प्रायोजित और समर्थित आतंकवाद के खतरे को समाप्त करने के लिए अभियान जारी रहेंगे।

बाल सुधार गृह से फरार दो पाक नागरिक गिरफ्तार

जम्मू। आरएस पुरा सेक्टर स्थित एक बाल सुधार गृह से सोमवार शाम दो पाकिस्तानी नागरिक और एक गैंगस्टर फरार हो गए। अधिकारियों के अनुसार कराजीत सिंह उर्फ गुग्गा, मोहम्मद सना-उल्ला और अहसान अनवर ने करीब सवा पांच बजे पुलिसकर्मियों पर हमला कर भागने में सफलता हासिल की। घटना में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालांकि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पाकिस्तानी नागरिकों को 24 घंटे के भीतर लुधियाना से गिरफ्तार कर लिया, जबकि गैंगस्टर अभी भी फरार है। अधिकारियों ने बताया कि कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में एक सहायक उपनिरीक्षक समेत छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है।

मोटापे के कारण संक्रमण से मौत का खतरा ज्यादा

खबर-सुध

एजेंसी | लंदन

दुनिया भर में इन्फेक्शन (संक्रमण) से होने वाली 10 में से 1 मौत मोटापे से जुड़ी है। ब्रिटेन और फिनलैंड के स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा करीब 5.4 लाख लोगों पर की गई इस रिसर्च के अनुसार, जिनका वजन सामान्य से ज्यादा है, उन्हें संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने या जान गंवाने का जोखिम बहुत अधिक रहता है।

बढ़ता वजन, बढ़ता जोखिम

सामान्य वजन वाले लोगों की तुलना में मोटापे से ग्रस्त लोगों में गंभीर इन्फेक्शन का खतरा 70 फीसदी ज्यादा पाया गया। जिनका बीएमआई 40 से ऊपर है (बेहद मोटापा), उनके लिए यह खतरा तीन गुना तक बढ़ जाता है। यह खतरा केवल कोविड-19 या फ्लू तक सीमित नहीं है। रिसर्च बताती है कि मोटापा निमोनिया, पेट के कीड़े, यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन और सांस से जुड़ी बीमारियों को भी जानलेवा बना सकता है।

200 किलो संदिग्ध रसायन के साथ दो ईरानी नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी | अहमदाबाद

गुजरात एटीएस और भारतीय तटरक्षक बल ने संयुक्त अभियान में गुजरात तट से दो ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 200 किलो से अधिक संदिग्ध रासायनिक पदार्थ बरामद किया गया। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास, गुजरात तट से करीब 140 समुद्री मील दूर की गई। एटीएस के उप महानिरीक्षक सुनील जोशी के अनुसार खुफिया सूचना मिली थी कि भारतीय जलक्षेत्र में संदिग्ध रसायन लाया जा रहा है। इसके बाद तटरक्षक बल के साथ आठ से दस घंटे तक चले ऑपरेशन में सोमवार शाम करीब आठ बजे स्पीड बोट से 203 पैकेट जब्त किए गए।

पंजाब तक पहुंचाने की थी तैयारी

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सफेद पाउडर जैसा यह पदार्थ कथित तौर पर ईरान से लाया जा रहा था और इसे पंजाब के एक व्यक्ति को सौंपा जाना था। सुरक्षा एजेंसियों ने स्पीड बोट को जब्त कर लिया है। बरामद पैकेटों को आगे की फोरेंसिक जांच के लिए पोरबंदर स्थित तटरक्षक स्टेशन भेजा गया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और एजेंसियां इस तस्करी नेटवर्क के अन्य संभावित कड़ियों की तलाश में जुटी हैं।

खबर-पत्तर | कोलंबिया विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने डाटा का किया विश्लेषण

बढ़ती गर्मी के कारण करोड़ों लोग रहेंगे भूखे

▶▶ जलवायु परिवर्तन से 2100 तक 110 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हो सकते हैं

▶▶ 20 करोड़ शिशु जन्म के पहले साल में भूख के संकट से जूझ सकते हैं

एजेंसी | न्यूयॉर्क

दुनिया भर में बढ़ती गर्मी के कारण करोड़ों लोगों को भुखमरी का सामना करना पड़ेगा। हाल ही में इस संबंध में अमेरिका स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने एक अध्ययन किया है। इसमें पाया गया है कि इस सदी के अंत तक (साल 2100) जलवायु परिवर्तन की वजह से 1.1 बिलियन (110 करोड़) से ज्यादा लोग गंभीर खाद्य संकट और भुखमरी का शिकार हो सकते हैं।

भविष्य की उम्मीदें

अगर दुनिया झगड़ों और असमानता को छोड़कर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (ऐसा विकास जो पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए) की ओर बढ़ती है, तो 2100 तक 78 करोड़ लोगों को भुखमरी से बचाया जा सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डाटा और एआई मॉडल का इस्तेमाल करके यह समझने की कोशिश की गई कि बदलता तापमान और बारिश का बिगड़ता पैटर्न हमारी भोजन की थाली पर क्या असर डालेगा। इस संकट का सबसे दुखद हिस्सा यह है कि प्रभावित होने वाले 110 करोड़ लोगों में से 60 करोड़ से ज्यादा बच्चे होंगे। अनुमान है कि 20 करोड़ नवजात शिशु अपने जीवन के पहले साल में ही भूख का सामना करेंगे। भविष्य में भूख का सबसे ज्यादा बोझ अफ्रीका और एशिया के देशों पर पड़ेगा। अकेले अफ्रीका में 2099 तक 17 करोड़ लोग दाने-दाने को मोहताज हो सकते हैं। साल 2011 में गंभीर भूख का सामना करने वाले लोगों की संख्या 5 करोड़ थी, जो 2020 तक बढ़कर 15 करोड़ हो गई।

अभी सब खत्म नहीं हुआ

भले ही आंकड़े डराने वाले हैं, लेकिन इसी एआई मॉडल ने एक उम्मीद की किरण भी दिखाई है। ये आंकड़े केवल तभी सच होंगे जब हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे। अगर दुनिया भर की सरकारें और बड़ी इंडस्ट्रीज कार्बन उत्सर्जन में भारी कटौती करती हैं, तो इस खतरे को आधे से भी ज्यादा कम किया जा सकता है।